CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-195
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

इतना हौसला रखो कि किस्मत को उसके सामने झुकना पड़ेगा

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, रविवार 20 अक्टूबर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

हेल्थ इंश्योरेंस पर हट सकता है जीएसटी, ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने जीएसटी स्लैब में की बदलाव की सिफारिश

महंगे होंगे जूते-घड़ी, सस्ता होगा पानी और साइकिल

नई दिल्ली। जीएसटी पर बने ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) ने कई जगह टैक्स रेट में बदलाव की सिफारिश की है। इन सभी मुद्दों पर अगले महीने होने वाली जीएसटी काउंसिल बैठक में निर्णय लिया जा सकता है। लाइफ इंश्योरेंस और मेडिकल इंश्योरेंस पर जीएसटी खत्म करने के अलावा साइकिल पर से भी टैक्स हटाया जा सकता है। साथ ही महंगे जूतों पर भी टैक्स बढ़ाने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा सिन टैक्स को बढ़ाने पर भी फैसला हो सकता है। इसकी मदद से सरकार को 22 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई होगी। ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स के अनुसार, कई जगह टैक्स बढ़ाने और घटाने की सिफारिश की गई है। अगर सभी सिफारिशें मान ली जाती हैं तो हाथ में पहने जाने वाली 25 हजार रुपये से ज्यादा महंगी घड़ी पर जीएसटी 18 फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी हो सकता है। इसके अलावा 15 हजार रुपये से महंगे जूतों पर भी जीएसटी 18 फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी हो सकता है। प्रस्ताव के अनुसार, 10 हजार रुपये से सस्ती साइकिल भी अब 12 के बजाय 5 फीसदी जीएसटी के दायरे में आ सकती हैं। बोतलबंद पानी की 20 लीटर से बड़ी बोतल भी 18 के बजाय 5 फीसदी जीएसटी स्लैब में जा सकती है। एक्सरसाइज बुक्स पर भी जीएसटी 12 से घटाकर 5 फीसदी किया जा सकता है।

सिन टैक्स को बढ़ाने की सिफारिश ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने सिन टैक्स (र्ल्ल ळं7) को बढ़ाने की सिफारिश की है। ऐसी वस्तुओं को 18 से 28 फीसदी के दायरे में ले जाने को कहा गया है। सिन गुड्स में शराब, तम्बाकू और सिगरेट जैसे प्रोडक्ट आते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए 5 लाख रुपये तक के कवरेज वाले स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी छूट देने का निर्णय लिया गया। इससे ज्यादा के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा। इस संबंध में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा।

देश में लगातार बढ़ रही विमानों में बम की धमकियां

एक ही दिन में 30 से ज्यादा विमानों में बम की धमकी

नई दिल्ली। देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोतरी शनिवार के दिन देखी गई है। शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और एलायंस एयर के 30 से अधिक विमानों को धमकियां मिली हैं। फिलहाल नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरलाइनों को बम की झूठी धमकी देने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें ऐसा करने वालों को नो-फ्लाई सूची में डालना भी शामिल है। इस हफ्ते अब तक भारतीय एयरलाइनों की कम से कम 70 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है और उनमें से अधिकांश फर्जी साबित हुईं। इनमें से कम से कम एक विमान के शौचालय में एक नोट मिला जिसमें लिखा था कि इस विमान में बम है। शनिवार को विस्तारा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उसकी पांच विमानों को सोशल मीडिया के माध्यम से सुरक्षा संबंधी धमकियां मिलीं, जबकि इंडिगो ने कहा कि उसकी कम से कम चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले हैं। बता दें कि विस्तारा की पांच विमानें यूके106 (सिंगापुर से मुंबई), यूके027 (मुंबई से फ्रैंकफर्ट), यूके107 (मुंबई से सिंगापुर), यूके121 (दिल्ली से बैंकॉक) और यूके131 (मुंबई से कोलंबो) हैं।

एयरलाइन कंपनियों ने किया प्रोटोकॉल का पालन

विस्तारा एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन के अनुसार सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। इसके अलावा, उदयपुर से मुंबई जाने वाली विस्तारा की फ्लाइट यूके 624 के बारे में सूचना थी और उतरने के बाद विमान को अनिवार्य जांच के लिए एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया।

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

इधर कांग्रेस ने इस मामले पर ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है, कांग्रेस की तरफ से ट्वीट में लिखा गया- देश में विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। पिछले 5 दिन में 70 विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। त्यौहारों का वक्त है। लोग अपने घरों तक पहुंचने के लिए फ्लाइट ले रहे हैं, लेकिन ऐसी धमकियों ने देश में डर का माहौल बना दिया है। पिछले कुछ महीनों से ऐसी धमकियों का सिलसिला जारी है। इससे पहले अस्पतालों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। लोग अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं, लेकिन मोदी सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही, जिससे धमकियों का सिलसिला रुक सके।

एक फर्जी कॉल से कंपनी को होता है 3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

झूठी अफवाह पर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग फिर पूरी तरह से जांच के बाद विमान को सेवा में वापस सेवा में लाने से पहले ऑपरेटिंग क्रू की नई जोड़ी की व्यवस्था करना शामिल होता है। अधिकारियों के मुताबिक, ऑपरेटिंग क्रू, फ्लाइट के जेएफके एयरपोर्ट तक नहीं पहुंचने से यात्रियों को परेशानी होती है। इसके साथ इस एक फर्जी धमकी से एयरलाइन कंपनी को करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होता है। एयरलाइन अधिकारियों के अनुमान के मुताबिक अतिरिक्त खर्च लगभग 60-80 करोड़ रुपये है।

एअर इंडिया के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

एअर इंडिया इ777 (वीटी-एएलएम) का मामला लें, जिसने इस मंगलवार (15 अक्टूबर) को दिल्ली से शिकागो के लिए उड़ान भरी थी। बारह घंटे बाद, 200 से अधिक यात्रियों के साथ फ्लाइट बम की धमकी के चलते कनाडा के दूर-दराज वाले शहर इकालुइट में उतर गया। विमान 15 अक्टूबर को सुबह 5.21 बजे वहां उतरा। इस विमान की अगली व्यावसायिक उड़ान साढ़े तीन दिन बाद हुई। पहले यह एक फेरी फ्लाइट के रूप में इकालुइट से शिकागो पहुंचा। उस समय इसमें कोई यात्री नहीं थे। ऐसा इसलिए क्योंकि फंसे हुए यात्रियों को पहले ही कनाडाई वायु सेना अ330 से शिकागो ले जाया गया था। इसके लिए एअर इंडिया भुगतान करेगा। और फिर विमान ने 18 अक्टूबर को शाम 5.15 बजे दिल्ली के लिए एक व्यावसायिक उड़ान के रूप में उड़ान भरी।

बोइंग 777 का एक दिन का खर्च जानिए

इ777 का औसत मासिक किराया 400,000 डॉलर और 600,000 डॉलर के बीच है। यह लगभग 17,000 डॉलर के औसत डेली किराए पर काम करता है। उड़ान न भरने का मतलब है हर दिन 17,000 डॉलर का नुकसान। अब, अगर झठी धमकी नहीं दी गई होती, तो ये विमान शिकागो पहुंच जाता और फिर कुछ घंटों के बाद, एक नियमित उड़ान के रूप में दिल्ली के लिए रवाना हो जाता। लेकिन शिकागो नहीं पहुंचने का मतलब था कि इकालुइट में 200 से अधिक यात्री और क्रू मेंबर्स फंसे हुए थे। इनके लिए एक दूरदराज के शहर में रहना, खाना और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं की व्यवस्था करना पड़ा।

चुनाव आयोग के आदेश पर झारखंड के डीजीपी को हटाया, आईपीएस अजय सिंह को सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। झारखंड विधानसभा चुनाव के बीच चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य सरकार ने कार्यवाहक डीजीपी अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है और उनकी जगह आईपीएस अजय सिंह को पुलिस महानिदेशक नियुक्त कर दिया है। सीनियर आईपीएस अधिकारी अजय सिंह पहले भी झारखंड के डीजीपी रह चुके हैं। आईपीएस अजय सिंह झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक पद पर रहे थे। आईपीएस अधिकारी अजय सिंह ने झारखंड के 15वें डीजीपी के तौर पर पदभार संभाल भी लिया है। उनकी नियुक्ति को लेकर गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने नए डीजीपी की नियुक्ति को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दी है। आईपीएस अजय सिंह 1989 बैच के अधिकारी हैं। नीरज सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के बाद इन्हें झारखंड का नया डीजीपी बनाया गया था। इससे पहले वे अउइ के डीजी और झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉपोरेशन लिमिटेड का अध्यक्ष रह चुके हैं। हजारीबाग, धनबाद समेत कई जिलों में एसपी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। बिहार के कई जिलों में भी एसपी रह चुके हैं।

केंद्र सरकार को भेजा जाएगा प्रस्ताव

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वाले अब्दुल्ला कैबिनेट के प्रस्ताव पर एलजी की मुहर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने पहली ही मीटिंग में कवायद शुरू कर दी है। उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव को अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंजूरी दे दी है। जम्मू-कश्मीर की कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने वाले मामले पर प्रधानमंत्री और केंद्र के साथ बातचीत के लिए अधिकृत किया है। इस सिलसिले में उमर अब्दुल्ला दिल्ली जाएंगे और केंद्र से चर्चा करेंगे। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की प्रक्रिया कई संवैधानिक और कानूनी कदमों के माध्यम से पूरी होगी। इस प्रक्रिया में राज्य सरकार, केंद्र सरकार और संसद की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सबसे पहला कदम राज्य कैबिनेट द्वारा लिया गया है। उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें राज्य को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा मंजूरी मिल गई है। अब इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

पक्ष में बहुमत मिलने के बाद राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा अब यह प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास जाएगा, जहां इस पर गहन विचार-विमर्श होगा। केंद्र सरकार प्रस्ताव पर विचार करेगी और इसकी समीक्षा के बाद इसे संसद में पेश करने का निर्णय लेगी। जब केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को संसद में पेश करेगी तो संसद के दोनों सदनों- लोकसभा और राज्यसभा में इस प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान किया जाएगा। प्रस्ताव के पक्ष में बहुमत मिलने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा।

पड़ेगी संविधान संशोधन की जरूरत जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए भारतीय संविधान में कुछ संशोधन करने की आवश्यकता होगी। मौजूदा वक्त में जम्मू-कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश है जिसे 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यह दर्जा मिला था। इसे वापस पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 3 और 4 के तहत बदलाव करना होगा, ताकि इसका राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचा बदला जा सके।

राष्ट्रपति की मुहर से ही जम्मू-कश्मीर बनेगा पूर्ण राज्य संसद से पारित होने के बाद प्रस्ताव को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलेगी। जब राष्ट्रपति इस पर अपनी स्वीकृति देंगे, तब संविधान में आवश्यक संशोधन लागू हो जाएंगे और जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

केंद्र सरकार ने विजया किशोर रहाटकर को बनाया राष्ट्रीय महिला आयोग का अध्यक्ष

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार ने शनिवार को विजया किशोर रहाटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की नई अध्यक्ष नियुक्त किया है। महिला आयोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया, एनसीडब्ल्यू को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 की धारा 3 के तहत, केंद्र सरकार ने श्रीमती विजया किशोर रहाटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में नामित किया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, ह्ययह नियुक्ति राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 की धारा 3 के तहत तीन साल की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, की गई है।

करवाचौथ का चांद इस साल कुछ कम कराएगा इंतजार

भोपाल। करवाचौथ के चंद्रमा का शाम होते ही इंतजार आरंभ हो जाएगा। चंद्रोदय के समय को सोशल मीडिया द्वारा तो बताया जा रहा है। लेकिन वह आपके शहर का ही समय हो यह जरूरी नहीं है। इसके लिए करवाचौथ का चंद्रमा आपके शहर में कब उदित होगा, इसकी जानकारी नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने दी। सारिका ने बताया कि देश के पूर्वी राज्यों में यह सबसे पहले दर्शन देकर उसके लगभग दो घंटे बाद पश्चिमी शहरों में उदित होगा। अरूणाचल प्रदेश के इटानगर में यह शाम छह बजकर 50 मिनट पर उदित होना आरंभ होगा तो पश्चिम में सोमनाथ में चद्रदर्शन के लिए आठ बजकर 43 मिनट तक का इंतजार करना होगा। इसी प्रकार मध्यप्रदेश में सिंगरौली में यह सात बजकर 44 मिनट पर उदित होगा तो पश्चिम के नीमच में इसके दर्शन आठ बजकर 17 मिनट से आरंभ होंगे। सारिका ने बताया कि पंचांग कैलेंडर में किसी खास शहर का चंद्रोदय का समय होता है। लेकिन आपके शहर के लिए यह अलग हो सकता है। चंद्रोदय होना और आपके घर आंगन से चंद्रदर्शन होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। चंद्रोदय का जो समय किसी शहर के लिए बताया जाता है

समन पर बुलाए गए लोगों से न करें बेवक्त पूछताछ

बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्णय के बाद ईडी अधिकारियों को जारी किया निर्देश

नई दिल्ली। ईडी ने अपने अधिकारियों या जांच अधिकारियों (आईओ) को निर्देश दिया है कि वे समन पर बुलाए गए लोगों से बेवक्त पूछताछ न करें और उन्हें कार्यालय में घंटों इंतजार न कराएं। इसको लेकर एक सर्कुलर जारी किया गया है। ईडी ने बॉम्बे हाई कोर्ट के एक निर्देश के संबंध में 11 अक्टूबर को यह सर्कुलर जारी किया है। दरअसल, बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए संघीय एजेंसी को इस तरह का आदेश जारी करने के संबंध में निर्देश दिया था क्योंकि व्यक्ति ने अदालत को बताया था कि ईडी ने उसे तलब किया था ह्यरात भर हिरासत में रखा और पूछताछ की थी।

आधी रात के बाद कराया था इंतजार हाई कोर्ट ने पाया कि 64 वर्षीय याचिकाकर्ता को पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय में बुलाया गया था और उन्हें आधी रात के बाद भी इंतजार कराया गया। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बेवक्त व्यक्ति का बयान दर्ज करने पर ह्यनिश्चित रूप से उसकी नींद प्रभावित हुई, जो उसका बुनियादी मानवाधिकार है। अदालत ने कहा कि वह एजेंसी की इस तरह की कार्यप्रणाली को अस्वीकार करती है। साथ ही एजेंसी को निर्देश दिया कि वह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 50 के तहत समन जारी करने के बाद लोगों के बयान दर्ज करने और समय के संबंध में अपने जांच अधिकारियों को एक परिपत्र या निर्देश जारी करे। ईडी ने इसके बाद अदालत को बताया कि उसने इस संदर्भ में 11 अक्टूबर को एक नया टेक्निकल लेटर जारी किया है।

तय तारीख समय पर ही करनी होगी पूछताछ लेटर में कहा गया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकृत अधिकारी या जांच अधिकारी को ह्यतय की गई तारीख और समय पर बुलाए गए व्यक्ति से पूछताछ के लिए प्रश्नावली के साथ-साथ दस्तावेजों की प्रतियों के साथ तैयार रहना होगा।

आवश्यकता

प्रदेश, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट

वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :
9755996590

सिंगल कॉलम

नावेल्टी मार्केट की बेसमेंट दुकानों पर कार्रवाई में हाई कोर्ट से राहत

इंदौर। लक्ष्मी नावेल्टी मार्केट की बेसमेंट दुकानों पर कार्रवाई करने पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। नगर निगम की तरफ से 12 दुकानों को 3 दिन में खाली करने और पार्किंग में बदलने के नोटिस दिए गए थे, जिसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। यह याचिका हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता महिमा मोरियानी की ओर से लगाई गई। याचिकाकर्ता ने कोर्ट में कहा कि इन दुकानों को स्टोर रूम के रूप में मंजूरी मिली हुई है और। वहीं नक्शे के अनुसार ही उनका उपयोग हो रहा है। निगम के नोटिस के संबंध में हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि फिलहाल किसी प्रकार की बलपूर्वक कार्रवाई नहीं की जाए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि संयुक्त रूप से निरीक्षण किया जाए, जिसमें निगम के अधिकारी और संपत्ति के मालिक दोनों ही मौके पर मौजूद रहेंगे।

विहिप प्रचारक को पाकिस्तान से फोन पर मिली हत्या की धमकी

इंदौर। विश्व हिन्दू परिषद के संपर्क प्रचारक को पाकिस्तान से धमकीभरा फोन किया गया। फोन करने वाले का कहना था कि जो हमारे धर्म के खिलाफ होगा, उसे मौत की सजा मिलेगी। मामले को लेकर उन्होंने पुलिस को शिकायत की है। साथ ही सुरक्षा की मांग की है। फरियादी संतोष शर्मा का कहना है कि, उन्हें 16 अक्टूबर की शाम को पाकिस्तान के नंबर से फोन आया। इसमें किसी व्यक्ति ने अरबी में उर्दू जैसे शब्द बोले और कहा कि जो भी हमारे धर्म के खिलाफ होगा उसकी सजा मौत होगी। शर्मा का कहना है कि उन्हें ऐसे धमकी भरे कॉल पहले भी मिल चुके हैं। उन्होंने खुद के और परिवार की सुरक्षा पर चिंता जताई है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर को दिए आवेदन में उन्होंने सुरक्षा की मांग की है। गौरतलब है कि शर्मा अब तक 12 से ज्यादा अधिक मुस्लिमों परिवारों की घर वापसी करा चुके हैं। एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी।

जांच को नहीं भेजे फिंगर प्रिंट, हत्या के आरोपी को मिली जमानत

इंदौर। हाई कोर्ट ने हत्या के आरोपी व्यक्ति को कथित अपराध से जोड़ने वाले परिस्थितिजन्य साक्ष्य के अलावा अन्य सामग्री की कमी के कारण जमानत देते हुए जांच अधिकारी द्वारा जांच में अपनाए गए अपरिपक्व दृष्टिकोण पर असंतोष व्यक्त किया है। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने अपने आदेश में राज्य की दलील पर गौर किया कि मामले में एकत्र किए गए साक्ष्य, जब्त की गई बीयर की बोतल, उंगलियों के निशान की रिपोर्ट के लिए फोरेंसिक लैब में नहीं भेजे गए। घटना 24 मार्च को हुई थी जबकि बोतल 17 जून को ही जब्त की गई। कोर्ट ने माना कि बोतलों को खुले में पड़े हुए 3 महीने से अधिक हो चुके थे। इसलिए जांच अधिकारी ने सोचा और अनुमान लगाया कि मौसम के कारण बोतलों पर उंगलियों के निशान नहीं रह गए होंगे क्योंकि वे खुले स्थान पर पड़ी थीं।

छेड़छाड़ कर रहा था पिता, किशोरी ने डंडा मारकर खुद को बचाया

इंदौर। गांधी नगर इलाके में रहने वाली एक 14 साल की किशोरी ने अपने ही पिता की छेड़छाड़ से बचने के लिए उस पर डंडे से हमला कर दिया। किशोरी ने डंडा उठाकर पिता के मुंह पर दे मारा। शाम को मां के आने पर जानकारी दी और पिता को गिरफ्तार करवाया। एसीपी रुबीना मेजबानी ने बताया कि कक्षा 8 में पढ़ने वाली 14 साल की एक बच्ची मां के साथ गांधीनगर थाने पहुंची थी। बच्ची ने बताया कि उसकी मां मजदूरी करके घर चलाती है। पिता कुछ काम नहीं करता है। शराब पीकर घर में पड़ा रहता है। रोज की तरह बच्ची दोपहर में स्कूल से घर लौटी तब मां काम पर और भाई स्कूल गया था। वह घर आई तो पिता नशे में धुत था। वह हरकत करने लगा तो उसे सबक सिखाकर मां को पूरी घटना बताई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

निजी कॉलेज के एचओडी पर छात्राओं से अश्लील बातें करने का आरोप

इंदौर। एक निजी कॉलेज की छात्राओं ने जर्नलिज्म विभाग के एचओडी जुबैर खान पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं। छात्राओं का कहना है कि आरोपी उन्हें कक्ष में बुलाकर अश्लील बातें करता था। 2 छात्राओं ने विजय नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। 8 और छात्राओं से इसी तरह की हरकत करने की बात सामने आई है।
इधर, एक संगठन के कार्यकताओं ने कॉलेज परिसर के बाहर आरोपी जुबैर का पुतला फूंका। मामला तब सामने आया जब कुछ छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन से शिकायत की कि जुबैर उन्हें परेशान करता है। किसी भी कार्यक्रम में अगर वे सहपाठी छात्रों से बात करती हैं तो उसके लिए भी मना करता है।

बेडरूम में कैमरे लगाने की जिद, मना किया तो चरित्र पर उठाए सवाल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के निजी कॉलेज के प्रिंसिपल की पत्नी ने उनके खिलाफ प्रताड़ना और मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि पति बेडरूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने की जिद कर रहा था। मना किया तो चरित्र पर सवाल करने लगा। फिर मारपीट कर घर से निकाल दिया। महिला अपने माता-पिता के साथ मंदसौर में रह रही है।

लसूड़िया पुलिस ने बताया, राखी श्रीवास्तव की शिकायत पर पति डॉक्टर प्रशांत श्रीवास्तव, ससुर राधेश्याम श्रीवास्तव, सास कल्पना और ननद मीनाक्षी पर केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को शिकायत में बताया कि उसकी शादी 7 जुलाई 2014 को प्रशांत श्रीवास्तव से हुई थी। शादी के बाद दो बेटे 9 और 3 साल के हैं। पिता ने शादी में सोने के जेवर, 4 लाख रुपए कैश, एक हुंडई कार दी थी। ससुराल के लोग कुछ दिन अच्छे से रहे। इसके बाद उनके व्यवहार में बदलाव आ गया। सास-ससुर सामान्य बातचीत में अपशब्द कहने लगे। सास कल्पना ने पूरे परिवार के सामने कई बार बोला कि तुमसे शादी करके नाक कट गई। ऐसा लगता है अब घर छोड़कर जाना पड़ेगा या जहर खाकर मरना पड़ेगा। तुम्हारे पिता ने हमारी उम्मीदों के अनुसार दहेज नहीं दिया।

बच्चों का खर्चा माता-पिता से लाना होगा

पति कहते हैं कि अगर तुम्हें यहां रहना है तो अपने बच्चों का खर्चा माता-पिता से लाना होगा। ससुराल के लोग किसी चीज के खर्च के लिए रुपए नहीं देते। हर बात में माता-पिता से रुपए लाने की बात करते हैं। मानसिक प्रताड़ना के चलते सारी बातें अपने पिता को बताई। इस पर पिता ने रिश्तेदारों के माध्यम से ससुराल के लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया। महिला ने पुलिस को बताया, पति की इंदौर में नौकरी थी तो सास-ससुर भी गुना से यहीं रहने आ गए। पति ने सास-ससुर और ननद के कहने पर घर में कैमरे लगवाए। जिसे अपने मोबाइल पर अटैच कर लिया। इसके बाद पति ने बेडरूम में कैमरा लगाने की बात कही। मैंने कैमरा लगाने से रोका और कहा कि इससे प्राइवेसी खत्म होगी। तो पति चरित्र पर उंगली उठाने लगे। कहते कि तू जान बूझकर कैमरे नहीं लगवाना चाहती।

पूरी रात अकेला छोड़ दिया

महिला ने बताया कि 9 सितंबर 2024 को सास और पति ने अपशब्द कहे। ससुर ने कहा, हमें तुम्हारी जरूरत नहीं। सास ने चरित्र को लेकर गलत बातें कीं। घर में अकेला छोड़ कर ननद मीनाक्षी के घर चले गए। पति, सास-ससुर कोई भी पूरी रात नहीं आया। ससुर और पति के मोबाइल पर 10 सितंबर को पिता ने मैसेज किया कि घर आओ, पर कोई नहीं आया। मैं पिता के साथ मायके जावरा चली गई। पति ने कहा कि हम तुम्हें नहीं रखेंगे। क्योंकि शादी उनकी मर्जी से नहीं हुई है।

इंदौर की फ्लाइट लेट, एक्सपायरी बिस्किट देख भड़के यात्री

इंदौर में चार घंटे देरी से पहुंची नागपुर की उड़ान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नागपुर से इंदौर आने के लिए इंडिगो की उड़ान का इंतजार कर रहे यात्रियों को विमानतल पर इंडिगो एयरलाइंस प्रबंधन ने एक्सपायरी बिस्किट दिए। उड़ान लेट होने से परेशान यात्री एक्सायरी बिस्किट देखकर और नाराज हो गए। जब अफसरों को इसका पता चला तो उन्होंने खेद जताया। नागपुर की उड़ान इंदौर में चार घंटे देरी से पहुंची।

नागपुर से इंदौर के लिए सुबह इंडिगो की उड़ान 8.45 बजे उड़ान भरती है और सुबह दस बजे इंदौर पहुंच जाती है, लेकिन सुबह जब यात्री नागपुर एयरपोर्ट पहुंचे तो तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए एयर लाइंस कंपनी के स्टॉफ ने उड़ान लेट होने की जानकारी दी। जब यात्रियों को एक घंटे से अधिक का समय हो गया तो उन्होंने फिर स्टॉप से देरी का कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि दो से तीन घंटे के बाद विमान इंदौर के लिए रवाना होगा। इससे यात्री भड़क गए और अफसरों पर नाराज होने लगे। यात्रियों का गुस्सा शांत कर करने के लिए यात्रियों को बिस्टिक के पैकेट दिए।

कुछ यात्री खा चुके थे बिस्किट

यात्रियों को दिए गए बिस्टिक की पैकिंग पर जब एक यात्री की नजर पड़ी तो देखा कि उस पर एक माह पहले की एक्पायरी डेट लिखी है। उन्होंने इस बारे में स्टाफ को शिकायत की । तब तक कुछ यात्री बिस्किट खा चुके थे। स्टॉफ की इस लापरवाही से कुछ यात्री और नाराज हो गए। उन्होंने इसकी शिकायत की। इसके बाद कंपनी के अफसरों ने खेद जताया और कहा तय मानकों के साथ नाश्ता देने में गलती हुई। इंदौर के लिए तीन घंटे की देरी से दोपहर 12 बजे विमान ने उड़ान भरी और सवा बजे इंदौर पहुंचा।

रैली में दाढ़ी रखो या गर्लफ्रेंड रखो के लगा रही थी नारे, सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही रैली

लड़कियों ने चेहरे पर दाढ़ी लगाकर निकाली रैली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्य प्रदेश की मिनी मुंबई कहे जाने वाला शहर इंदौर में कुछ दिनों पहले एक लड़की का ब्रा पहनकर घूमने का वीडियो वायरल हुआ था। ये मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि शहर से एक बार फिर कथित रुप से अनोखी रैली निकालने का वीडियो सामने आया है। रैली का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल इस वीडियो में युवतियां शहर में सड़कों पर अपने चेहरे पर दाढ़ी लिए और हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करती नजर आ रही है। इतना ही होता तो ठीक लेकिन इन तख्तियों में लिखा है 'दाढ़ी रखो या गर्लफ्रेंड रखो च्वाइस तुम्हारी है' के नारे लगा रही है। हालांकि ये वीडियो प्रमोशनल इंवेट का हिस्सा बताया जा रहा है। इंदौर में युवतियों की कथित अनोखी रैली सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस रैली में युवतियां अपने चेहरे पर दाढ़ी और हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करती नजर आ रही हैं। वे सड़कों नारे लगा रही है कि ह्यदाढ़ी रखो या गर्लफ्रेंड रखों, च्वाइस तुम्हारी है।ह्ण लड़कियों के हाथ में अलग-अलग तख्तियां हैं, जिन पर मजेदार संदेश लिखे गए हैं।

तख्तियों के मैसेज देख लोग हुए हैरान

लड़कियों के हाथों की एक तख्ती पर लिखा है, 'नो क्लीन शेव, नो लव' वहीं दूसरी पर 'दाढ़ी हटाओ प्यार बचाओ', और एक और तख्ती पर लिखा है 'दाढ़ी रखो या गर्लफ्रेंड रखो, च्वाइस तुम्हारी'। हालांकि इस रैली का असली मकसद क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। यह भी कहा जा रहा है की ये किसी कंपनी का प्रमोशनल इंवेट का हिस्सा है। हालांकि इंदौर में लड़कियों की इस तरह की रैली को देखकर वहां से गुजर रहे लोग हैरान हो गए।

रेसीडेंसी कोठी का नाम शिवाजी कोठी करने के प्रस्ताव पर राजनीतिक विवाद

अहिल्या माता और शिवाजी को लेकर कांग्रेस भाजपा आमने सामने

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक में रेसीडेंसी कोठी का नाम बदलकर शिवाजी कोठी (शिवाजी वाटिका) करने का प्रस्ताव पास होने के बाद राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया है। कांग्रेस नेता राकेश सिंह यादव ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि यह कदम महाराष्ट्र में आगामी चुनावों के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि वहां के वोट बैंक को साधा जा सके। उनका कहना है कि यह देवी अहिल्या बाई होलकर की उपेक्षा है, जिन्होंने इंदौर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। रेसीडेंसी कोठी, जो लगभग 204 वर्ष पुरानी है और अंग्रेजी शासन के दौरान मालवा-निमाड़ क्षेत्र में ब्रिटिश सत्ता का केंद्र थी, का नामकरण शिवाजी महाराज के नाम पर किए जाने से कांग्रेस असहमत है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव ने भी सोशल मीडिया पर इस फैसले की आलोचना की और सुझाव दिया कि इसे देवी अहिल्या रेसीडेंसी कोठी नाम दिया जाना चाहिए था। गफ्फूर खां की बजरिया पर नहीं हुआ निर्णय साथ ही, अन्य नामकरणों की भी बैठक में स्वीकृति दी गई, जिसमें फूटी कोठी ब्रिज का नाम सेवालाल महाराज ब्रिज और भंवरकुआं चौराहे का नाम टंट्या भील चौराहा रखा गया है। इसके अलावा, बीजेपी नेता वरुण पाल ने गफ्फूर खां की बजरिया का नाम बदलकर वीरांगना तुलसाबाई होलकर के नाम पर करने की मांग भी की थी, हालांकि इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इस नामकरण विवाद से दोनों दलों के बीच राजनीतिक तनाव और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि कांग्रेस इसे ऐतिहासिक व्यक्तियों के सम्मान से जोड़कर देख रही है, जबकि बीजेपी इसे अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत नामकरण के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

हथकड़ी खोलकर अस्पताल से भागा अपहरण का आरोपी

इंदौर। उज्जैन जेल में बंद एक कैदी को तबीयत खराब होने पर पिछले दिनों संयोगितागंज थाना क्षेत्र स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को मौका मिलते ही कैदी फरार हो गया। मामले में पुलिस आरोपी को तलाश कर रही है।

टीआई सतीश पटेल के मुताबिक इरफान लाला पिता सरवन खान (31), निवासी खुदीराम बोस मार्ग उज्जैन भार्दवि की धारा 262 के तहत उज्जैन जेल में बंद है। अपहरण के आरोपी इरफान लाला को तबीयत खराब होने पर 4 अक्टूबर को सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब से वह अस्पताल में ही वार्ड 201 में भर्ती था। शुक्रवार रात मौका पाकर वह हथकड़ी निकालकर पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला। मामले में पुलिस में दो टीमें लगाकर आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही है। आरोपी को मुंह के कैंसर की बीमारी थी। इलाज के लिए उसे भर्ती किया गया था।

गैरेज संचालक का किया था अपहरण

उज्जैन पुलिस के अनुसार ग्रीन पार्क कालोनी में रहने वाला आमिर पिता हैदर अली (39) घर से ही गैरेज और ऑटो डील का संचालन करता था। 11 नवम्बर की रात 11.30 बजे वह कालोनी में रहने वाले अरशद खान और ताहिर खत्री के साथ घर के बाहर बैठा था। उसी दौरान ऑटो से पांच बदमाश आए और गर्दन पर चाकू रख ऑटो में बैठने के लिए कहा। आमिर को उसके साथियों ने बचाने का प्रयास किया। इस पर बदमाश हथियार दिखाकर धमकाते हुए आमिर को अपने साथ ले गए। परिवार ने डायल-100 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। परिवार भी कुछ बता नहीं पा रहा था।

ऑनलाइन एप पर नाम बदलकर दोस्ती करने पर किया था दुष्कर्म, समझौते के लिए दबाव बना रहा आरोपी पक्ष

लव जिहाद के आरोपी की चौथी बार जमानत निरस्त...

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। हाई कोर्ट ने लव जिहाद के आरोपी अशरफ मंसूरी उर्फ आशू की जमानत चौथी बार खारिज कर दी है। आरोपी ने पीड़िता से एप के जरिए दोस्ती की थी। पीड़िता के साथ ज्यादती की और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव भी बनाया।

मामले में पीड़िता के एडवोकेट प्रशांत वर्मा का कहना है कि संभवत: यह पहला मौका है, जब लव जिहाद के आरोपी की हाई कोर्ट से चार बार जमानत रद्द हुई है। पीड़िता को आरोपी पक्ष द्वारा धमकाया जा रहा है। साथ ही समझौते के लिए भी उस पर दबाव बनाया जा रहा है। इस संबंध में जल्द ही शिकायती आवेदन देंगे।

23 वर्षीय युवती की 2019 में हेलो एप के माध्यम से आरोपी अशरफ मंसूरी (24) से दोस्ती हुई थी। आरोपी ने अपना नाम आशु बताया और कहा कि वो हिंदू है। बाद में युवक की असलियत सामने आ गई। इस बीच आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। उस पर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाया। आरोपी ने जब शादी करने से मना कर दिया तो पीड़िता 12 दिसंबर 2023 को जूनी इंदौर थाने पहुंची थी। पीड़िता की

शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ धारा 376, 354, एससी-एसटी एक्ट और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया। मामले में इंदौर जिला कोर्ट में सुनवाई चल रही है। आरोपी युवक जेल में है।

पीड़िता ने की थी जज की शिकायत

रेप पीड़िता ने जज की शिकायत राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई), राष्ट्रीय महिला आयोग और हाईकोर्ट के प्रशासनिक जज से की थी। रेप पीड़िता ने शिकायत में गंभीर आरोप लगाए थे। पीड़िता और उसके वकील ने कहा था कि- जज ने प्रति परीक्षण के वक्त कोर्ट रूम का बंद दरवाजा खुलवा कर बयान लिए। ऐसे सवाल पूछे कि सिर शर्म से झुक गया। कोर्ट रूम में मौजूद सभी लोग हंस रहे थे। जज ने मुझे बाजारू लड़की कहा। पूछा कि तुम्हें रेप के बाद पैसे मिल गए कि नहीं?? इतना ही नहीं, खुद के लिए कहा कि मैं भी जींस-टी शर्ट पहनकर निकलूंगा, तो तुम्हारे जैसी लड़कियां मेरे साथ घूमने निकल जाएंगी। आजकल इस तरह की बाजारू लड़कियों का कोई चरित्र नहीं बचा है। और ये रुपए लेने की नीयत से झूठे केस दर्ज कराती हैं। इस तरह के शब्द सुनकर कोर्ट में मौजूद आरोपी के वकील सहित सभी लोग ठहाके मारकर हंस रहे थे। मुझे न्याय नहीं दिलवा सकते तो इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान करें।

तीन चौथाई बहुमत से पास कराना जरूरी, रोजगार सहायक एवं सचिव की एसीआर लिखने का अधिकार सरपंच को मिला

मप्र में सरपंच के खिलाफ तीन साल बाद ही लाया जा सकेगा अविश्वास प्रस्ताव

सिटी चीफ भोपाल।

नगरीय निकायों की तर्ज पर अब ग्राम पंचायतों के सरपंचों के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव तीन चौथाई बहुमत से पास करने पर तीन साल बाद लाने का प्रावधान लाया जाएगा। रोजगार सहायक एवं सचिव की एसीआर लिखने का अधिकार सरपंच को दिए गए हैं। इसमें ग्राम रोजगार सहायक के मूल्यांकन प्रपत्र का स्वीकारकर्ता सरपंच को बनाया गया है। पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 22 के अंतर्गत सरपंचों को जनपद पंचायत में रोस्टर के हिसाब से 20त्न प्रतिवर्ष बुलाए जाने के प्रविधान का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है।

यह बात प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मीडिया से चर्चा में कही। मंत्री पटेल ने बताया कि भवन विहीन ग्राम पंचायतों के लिए 1400 ग्राम पंचायत भवनों की स्वीकृति प्रथम चरण में जारी की जा रही है। मंत्री ने कहा कि स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए सामुदायिक भवनों का निर्माण भी चरणबद्ध रूप से किया जाएगा। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत श्रम सामग्री (60ः40) का अनुपात अभी तक जिला स्तर पर संधारित किया जाता था। अब इसको जनपद स्तर पर संधारित किया जाएगा। सहायक यंत्री को तकनीकी स्वीकृति जारी करने के अधिकार की सीमा 15 लाख रुपये से बढ़कर 25 लाख की गई है। तकनीकी स्वीकृति सहायक यंत्री को अधिकृत किया जा चुका है।

सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायत की तो खैर नहीं

मंत्री पटेल ने यह भी कहा कि मनरेगा योजना अंतर्गत कपिलधारा की इकाई लागत राशि तथा पेयजल के लिए बनाने वाले सामुदायिक कूप की लागत राशि में अंतर है। इसको युक्तियुक्त करने का अनुरोध किया गया है, इस पर विचार किया जाएगा। पंचायत राज ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 का दुरुपयोग सरपंच के विरुद्ध ना हो इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। सीएम हेल्पलाइन 181 पर झूठी शिकायत दर्ज कराने वाले तथा आदतन शिकायतकर्ता के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए लोक सेवा प्रबंधन विभाग से कहा गया है।

कक्षाओं का निरीक्षण, छात्रों से की बातचीत

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भोपाल स्थित श्रमोदय आदर्श आइटीआइ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के विभिन्न ट्रेड्स की कक्षाओं का निरीक्षण किया और छात्रों के साथ बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाएं छात्रों को उद्योग की वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं और उन्हें एक प्रतिस्पर्धी माहौल में सफल होने के लिए सशक्त बनाती हैं। मंत्री पटेल ने आइटीआइ में प्रदेश के बलाघाट, छतरपुर, छिंदवाडा, बैतूल, भिंड ग्वालियर, पन्ना व अन्य जिलों से आए अध्ययनरत छात्रों से बातचीत की, जहां उन्होंने छात्रों से उनके ट्रेड्स के अध्ययन और तकनीकी प्रशिक्षण के अनुभव के बारे में विस्तार से चर्चा की। पटेल ने छात्रों से उनके विषयों से संबंधित प्रश्न भी पूछे कि उद्योग जगत में अपनी योग्यता को लेकर छात्र कितने आश्वस्त महसूस करते हैं।

चीफ वार्डन ने विवि प्रबंधन से की शिकायत, यूविर्सिटी प्रबंधन ने किया समिति का गठन, हर कमरे में जाकर विद्यार्थियों का परीक्षण करेगी समिति

बीयू के छात्रावास में अनाधिकृत रूप से रह रहे विद्यार्थी होंगे बाहर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के छात्रावास में पासआउट हो चुके विद्यार्थी अपने कमरों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे नव प्रवेशित विद्यार्थियों को छात्रावास में रहने के लिए कमरे आवंटित नहीं हो रहे हैं। ऐसे अनाधिकृत विद्यार्थियों को छात्रावास से बाहर करने के लिए बीयू प्रबंधन ने समिति का गठन किया है। अब समिति विद्यार्थियों से कमरे खाली कराने की कार्रवाई करेगी।

बीयू के जवाहर और मुंशी प्रेमचंद छात्रावास में पासआउट विद्यार्थी कमरे छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। वर्तमान सत्र में उन्हें किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिल सका है। इसके कारण बीयू के छात्रावास में रहने की पात्रता नहीं रखते हैं। बीयू प्रबंधन को उन्हें छात्रावास के कमरों से बाहर करने में परेशानी आ रही है। इस संबंध में छात्रावास के चीफ वार्डन ने बीयू प्रबंधन से शिकायत की है। बीयू प्रबंधन ने छात्रावास में रहने वाले अनाधिकृत विद्यार्थियों को बाहर करने के लिए समिति का गठन किया है।

यह समिति छात्रावास के एक-एक कमरे में जाकर विद्यार्थियों का परीक्षण करेगी। जहां अनाधिकृत तौर पर रह रहे विद्यार्थियों से कमरों को खाली कराने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विवि पुलिस की भी मदद ली जाएगी। हालांकि विवि ने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों को फीस भरने के लिए 21 अक्टूबर तक का समय दिया है। अगर इसके बाद भी जो विद्यार्थी फीस जमा नहीं करेंगे, उन्हें अनाधिकृत माना जाएगा।

समिति में ये शामिल

समिति का अध्यक्ष चीफ वार्डन हेमंत खंडई को बनाया गया है। उनके साथ सात सदस्यों में डॉ. अच्छेलाल, डॉ. सुनील स्नेही, डॉ. सीएस गर्ग, प्राक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्य, अनुशासन समिति के सभी सदस्य, सुरक्षा प्रभारी कपिल सोनी और सुरक्षा अधिकारी डॉ. राघवेंद्र शर्मा को शामिल किया गया है।

नए विद्यार्थी हो रहे परेशान

बीयू के विभागों में बाहर से आए नए विद्यार्थियों ने यूजी के प्रथम वर्ष और पीजी के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश ले लिया है, लेकिन पासआउस विद्यार्थियों द्वारा छात्रावास के कमरे खाली नहीं करने के कारण नए विद्यार्थियों को छात्रावास में रहने के लिए कमरे आवंटित नहीं हो रहे हैं। ये छात्र कमरे के लिए परेशान हो रहे हैं।

अनाधिकृत विद्यार्थियों की संख्या मांगी

पाठ्यक्रम पूरा कर चुके पुराने विद्यार्थियों और अनाधिकृत विद्यार्थियों को बाहर करने के लिए बीयू प्रबंधन द्वारा समिति गठित की गई है। इसके तहत कार्रवाई की जाएगी। चीफ वार्डन से अनाधिकृत विद्यार्थियों की संख्या मांगी गई है।

– पवन मिश्रा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण समिति, बीयू

सीए की तैयारी कर रहे छात्र ने बावड़िया ब्रिज से कूदकर दी जान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सीए की तैयारी कर रहे एक छात्र ने गुरूवार-शुक्रवार की दरमियानी रात बावड़िया ब्रिज से कूदकर जान दे दी। छात्र ने यह कदम उठाने से ठीक पहले अपने भाई से फोन पर बात की थी, जिसमें उसने कहा था कि मैं अब जीना नहीं चाहता, आप मम्मी-पापा का ध्यान रखना। भाई घर से भागता हुआ ब्रिज पर पहुंचा तब तक देर हो चुकी थी और छात्र का शव ब्रिज के नीचे सड़क पर पड़ा मिला।

सूचना पर पहुंची शाहपुरा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय अनिल ईश्वर नगर में अपने परिवार के साथ रहता था। वह सीए की तैयारी कर रहा था। गुरूवार रात करीब साढ़े 12 बजे अनिल का बड़ा भाई काम से वापस घर पहुंचा तो अनिल अपने कमरे से गायब था।

उसने फोन किया तो अनिल ने कहा कि वह जीना नहीं चाहता और बावड़िया ब्रिज से कूदकर जान दे रहा है। भाई ने उसे समझाया और पांच मिनट में घर से ब्रिज पर पहुंचा तो अनिल का शव नीचे सड़क पर पड़ा मिला। स्वजन तुरंते उसे एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस आत्महत्या के कारण जानने उसके स्वजनों से पूछताछ कर रही है।

घर से गायब युवक का शव नाले में मिला

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र में होटल ताज लेक फ्रंट के सामने नाले में एक 20 वर्षीय युवक का शव मिला है। युवक की पहचान अजय जाटव के रूप में हुई है। वह बुधवार शाम को घर से बिना बताए गया था। शुक्रवार दोपहर को स्थानीय लोगों ने नाले में युवक का शव तैरता हुआ देखा। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरू की है।

कमलानगर थाना पुलिस के अनुसार अजय जाटव नेहरू नगर में अपने परिवार के साथ रहता था। वह मजदूरी का काम करता था। बुधवार शाम करीब छह बजे वह बिना घर से गायब हो गया था। उसके स्वजनों ने गुरूवार को कमलानगर थाने में गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई थी। युवक का पीएम करवा लिया गया है, रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों पर जांच की जाएगी।

बेरोजगार पति की प्रताड़ना से त्रस्त होकर नौकरीपेशा पत्नी ने लगा ली थी फांसी

पत्नी की आत्महत्या में पति के खिलाफ केस

भोपाल। उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद निजी फर्म में नौकरी कर रह रही युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग हो गया था। दोनों ने पांच वर्ष पहले सामूहिक विवाह सम्मेलन में सात जन्मों तक साथ रहने की कामना करते हुए सात फेरे ले लिए थे। शादी के कुछ दिन बाद ही पति ने युवती को मानसिक रूप से परेशान करना शुरू कर दिया। वह कोई कामकाज भी नहीं करता था। प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने 16 मई को अपने घर में फांसी लगा ली थी। मामले की जांच एसीपी निशातपुरा रिचा जैन ने की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी फरार है।

गांधी नगर थाना पुलिस के मुताबिक इलाके की बंजारा बस्ती में रहने वाली 30 वर्षीय राधा नाथ पत्नी आनंद यदुवंशी ने 16 मई को घर में खुदकुशी कर ली थी। मामले की जांच में पता चला कि राधा ने स्नातकोत्तर तक पढ़ाई करने के साथ निजी फर्म में नौकरी करना शुरू कर दी थी। पांच वर्ष पहले उसका परिचय छोटा-मोटा निजी काम करने वाले आंनद यदुवंशी से हो गया था। नजदीकियां बढ़ने पर दोनों ने साथ रहने का फैसला कर लिया था। आर्थिक स्थिति कमजोर रहने के कारण उन्होंने करोंद में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी कर ली थी। उसके बाद दोनों गांधी नगर थाना इलाके में साथ रहने लगे थे। शादी के कुछ दिन बाद ही पति ने राधा को छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान करना शुरू कर दिया। वह स्वयं को कोई काम काज नहीं करता था। इस वजह से भी घर में आए दिन उनके बीच झगड़ा होने लगा। अंततः प्रताड़ना से परेशान होकर राधा ने फांसी लगा ली थी। पुलिस आरोपी पति की तलाश कर रही है।

फर्जी प्रमाण पत्र से मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले को तीन साल की जेल

भोपाल। राजधानी के विशेष न्यायाधीश (एसटीएफ) अतुल सक्सेना की अदालत ने व्यापमं घोटाले में फर्जी प्रमाण पत्र के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले आरोपित सौरभ सचान को अलग-अलग धाराओं में दोषी पाते हुए तीन वर्ष के कारावास और 500 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक सुधा विजय सिंह भदौरिया और आकिल अहमद खान ने की। विशेष लोक अभियोजक सुधा विजय सिंह ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने फर्जी प्रमाण पत्र के माध्यम से प्रतियोगियों के मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने के संबंध में एक

शिकायत अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भोपाल को वर्ष 2021 में की थी। इसमें उन्होंने संदिग्ध व्यक्तिओं की सूची भी सौंपी थी, जिसमें फर्जी दस्तावेज तैयार कर भर्ती होने की बात कही गई थी। उस शिकायत में पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा था कि संदिग्ध छात्र उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि उन्होंने मध्यप्रदेश का मूल निवासी प्रमाण पत्र बनवाकर परीक्षा दी है। यही नहीं उनके सीट आवंटन पत्र में चस्पा फोटो भी भिन्न है। इस पर एसटीएफ पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

500 रुपए अर्थदंड भी किया

एसटीएफ ने जांच में पाया कि मामले के आरोपित सौरभ सचान ने फर्जी मूल निवासी प्रमाण पत्र के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया है। जब उसके मूल निवासी प्रमाण पत्र की जांच की गई तो पता चला कि यह जारीकर्ता विभाग अनुविभागीय अधिकारी त्यौंथर जिला रीवा के द्वारा जारी ही नहीं किया गया है। जांच के बाद न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। अभियोजन के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों व दस्तावेजों के आधार पर आरोपित सौरभ सचान को धोखाधड़ी का दोषी पाते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

रेस्टोरेंट के किचन में मिले कॉकरोच, लाइसेंस निलंबित,खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की टीम ने की कार्रवाई

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। शहर के होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में गंदगी के बीच भोजन बनाया जा रहा है। यह खुलासा लगातार खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा किए जा रहे निरीक्षण के दौरान हो रहा है। टीम ने आईएसबीटी परिसर में स्थित फ्रेशरूम कैफे एंड रेस्टारेंट के रसोईघर का निरीक्षण किया तो पाया कि गंदगी के बीच खाना बनाया जा रहा था। साथ ही रसोईघर में खाद्य सामग्रियों के आसपास कॉकरोच घूम रहे थे। इसके बाद प्रशासन ने रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट में स्वच्छता के बीच भोजन निर्माण किया जाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग की टीम ने शुक्रवार को आईएसबीटी स्थित छह रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। इस दौरान फ्रेशरूम रेस्टोरेंट के रसोईघर सहित अन्य क्षेत्रों में कॉकरोच मिले थे। इस वजह से रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। वहीं अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट से बेसन का नमूना लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है।

नमकीन के कारखानों पर भी पहुंची टीम

दीपावली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने शुक्रवार को नमकीन कारखानों व विक्रय केंद्रों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान काली परेड स्थित कुंदन नमकीन, गणेश नमकीन बरखेड़ा पठानी, न्यू कबाड़खाना स्थित डीएसपी नमकीन पर पहुंचकर स्वच्छता सहित अन्य व्यवस्थाएं देखी।

खाद्य निरीक्षक देवेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि कारखानों में उपयोग होने वाले घटक पदार्थों व उत्पादों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए बेसन, खाद्य तेल, मसाले और नमकीनों के कुल 22 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पनीर में नहीं निकली मिलावट

उधर, हनुमानगंज थाना क्षेत्र में बीते शनिवार पकड़ाया डेढ़ क्विंटल चीज एनालॉग शुद्ध (पनीर का विकल्प) शुद्ध निकला है। खाद्य सुरक्ष प्रशासन ने बीते शुक्रवार और शनिवार को डेढ़- डेढ़ क्विंटल पनीर जब्त किया था। दरअसल दोनों ही पनीर का विकल्प चीज एनालॉग था लेकिन शुक्रवार को जो नमूने लिए गए थे, वे पनीर के नाम से लिए गए थे।

बुधवार को आई जांच रिपोर्ट में यह अमानक साबित हुए थे। जबकि शनिवार को नमूने चीज एनालॉग के नाम से लिए गए थे, जांच भी इसके पैरामीटर से की गई,

जिसमें यह पास हो गए हैं। अब जल्द ही व्यापारियों को यह चीज एनालॉग वापस किया जाएगा।

सम्पादकीय

असम नागरिकता वैध

अवैध प्रवास एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। 1985 में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी, असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच एक तितरफा समझौता हुआ। प्रवास और प्रवेश की तारीखों को लेकर सहमति बनी और उसके बाद संसद में एक विधेयक पारित कर नागरिकता कानून में नई धारा-6 ए-जोड़ी गई। संविधान पीठ के चार न्यायाधीशों, जिनमें प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई. चंद्रचूड़ भी शामिल थे, ने इस धारा को संसदीय विधायी समाधान माना, लिहाजा धारा 6-ए को संवैधानिक भी माना, लेकिन जस्टिस पारदीवाला का मानना था कि धारा 6-ए राजनीतिक समझौते को कानूनी मान्यता देने के लिए लाई गई थी।

असम से जुड़े नागरिकता कानून की धारा 6-ए संवैधानिक है। यह सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला लिया है। फैसला करीब 12 साल के बाद, 17 याचिकाओं पर, विचार करने के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 की अवधि के दौरान, भारतीय मूल के, जो बांग्लादेशी भारत में आए हैं और यहीं बसे हैं, उन्हें भारतीय नागरिकता मिल जाएगी। हालांकि तारीखों को लेकर भी सवाल हैं कि असम और शेष भारत में प्रवेश करने वाले अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। ऐसा क्यों किया जाना चाहिए? बहरहाल 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को भारतीय नागरिकता नहीं मिलेगी। 1970 और 1980 के दशक में असम विदेशी घुसपैठ के मुद्दे पर उबलता रहा, आंदोलन तक छिड़ गए और हिंसा भी हुई। असम भारत के पूर्वोत्तर का सीमावर्ती राज्य है। अपनी संस्कृति, सामाजिक पहचान, विरासत और भाषा को सुरक्षित और संरक्षित रखने के मकसद से असमिया बिरादरी ने खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों का विरोध किया। आशंकाएं जताई गईं कि असम की संस्कृति और आबादी के समीकरण तक बदल सकते हैं। मुस्लिम आबादी एक दिन बहुसंख्यक हो सकती है। असमिया लोगों का मताधिकार तक प्रभावित हो सकता है। भारत के संदर्भ में विभाजन के दाग आज भी कच्चे और ताजा हैं। अवैध प्रवास एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। 1985 में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी, असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच एक तितरफा समझौता हुआ। प्रवास और प्रवेश की तारीखों को लेकर सहमति बनी और उसके बाद संसद में एक विधेयक पारित कर नागरिकता कानून में नई धारा-6 ए-जोड़ी गई। संविधान पीठ के चार न्यायाधीशों, जिनमें प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई. चंद्रचूड़ भी शामिल थे, ने इस धारा को संसदीय विधायी समाधान माना, लिहाजा धारा 6-ए को संवैधानिक भी माना, लेकिन जस्टिस पारदीवाला का मानना था कि धारा 6-ए राजनीतिक समझौते को कानूनी मान्यता देने के लिए लाई गई थी। इस समझौते का मतलब सिर्फ नागरिकता प्रदान करना नहीं था। दरअसल यह असम के लोगों को शांत करने के लिए था कि ऐसे समावेश से राज्य में होने वाले चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मेरा मानना है कि धारा 6-ए की वैधता निर्धारित करते समय समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों के मकसद को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

ऐसे में धारा 6-ए समय बीतने के साथ असंवैधानिक हो गई है। जस्टिस सूर्यकांत का मानना है कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर पाए कि विदेशी प्रवासियों से असमिया संस्कृति, भाषा और सामाजिक पहचान पर कोई गंभीर प्रभाव पड़ा है। हमने यह दलील भी खारिज कर दी है कि 6-ए भेदभावपूर्ण, मनमानी धारा है। 1966 और 1971 की अवधि में आए प्रवासियों के लिए स्पष्ट परिभाषित शर्तें दी गई हैं। बहरहाल असम में इस कानून के लिए विशेष रूप से छात्रों ने छह साल तक प्रदर्शन किए थे। नतीजतन समझौता हुआ और संसद में कानून पारित किया गया। यदि यह व्यवस्था न की जाती, तो शायद बांग्लादेश से प्रवासियों की संख्या न थमती। गंभीर सवाल यह है कि यदि 1971 के बाद आए प्रवासियों को भी स्वीकार कर लिया जाता है, तो उससे क्या होगा? ऐसी उदारता घुसपैठ के लिए उकसा सकती है।

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्र : सरकार से बड़ी उम्मीदें

केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है।

जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा।

जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके।

निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं।

केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

राज्य ने साम्प्रदायिकता, आतंकवाद तथा अस्थिरता के जंगल में एक लम्बा सफर तय किया है। उसकी मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, उसमें नई उम्मीदों को पंख लगे हैं। अलगाव से बाहर निकलने का नया विश्वास जगा है। पाकिस्तानी आतंकी सोच के नुकसान को प्रांत ने झेला और महसूस किया है। गुलाम कश्मीर के लोगों की दुर्दशा को देखा जा रहा है। इसीलिये इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक सरकार बनायी है, जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान उमर की भविष्य के शासन एवं नीतियों पर टिकी है। निश्चित ही इस नई सरकार से उम्मीद जगी है कि उसके प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि-स्थिरता का नया दौर शुरू होगा। ऐसा होना ही नई सरकार एवं उमर के नेतृत्व की सार्थकता है।

विदेश में बैठे भारत विरोधी तत्वों पर गौर करे अमेरिका

सिख फॉर जस्टिस का संस्थापक और भारत द्वारा घोषित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई द्वारा भारत के पूर्व खुफिया अधिकारी विकास यादव को आरोपित करने का ताजा घटनाक्रम क्या भारत को कूटनीतिक तौर पर घेरने की कोशिश है? नई दिल्ली ने उचित ही इसमें अपनी संलिप्तता से इनकार किया है, क्योंकि किसी दूसरे देश के आंतरिक मामले में दखल देने की हमारी कोई नीति नहीं रही है। हम यही मानते हैं कि अमेरिकी अदालत इस मामले में उचित फैसला करेगी। मगर सवाल इसलिए उठने लगे हैं, क्योंकि इसी पन्नू के केस में पिछले दिनों हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के खिलाफ एक अमेरिकी अदालत ने समन जारी किया था। उसने अपनी हत्या की साजिश को लेकर न्यूयॉर्क की अदालत में याचिका लगाई थी, जिसके बाद अदालत ने डोभाल सहित कई लोगों को समन जारी किया था। बाद में, भारत की एक उच्चस्तरीय टीम अमेरिका गई थी, जिसने निश्चय ही वहां के अधिकारियों से बात की होगी। इस बैठक के नतीजे तो सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन असलियत यही है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं को समझ रहे होंगे। अच्छी बात यह है कि भारत और अमेरिका की सरकारें एक-दूसरे के संपर्क में हैं और वे यह नहीं चाहतीं कि आपसी रिश्ते पर ऐसी किसी घटना का असर पड़े।

बहरहाल, इस मामले ने करीब एक दशक पुराने देवयानी खोबरागड़े विवाद की याद ताजा कर दी है। देवयानी तब न्यूयॉर्क में भारतीय उप-महावाणिज्य दूत थीं। उन पर अपनी घरेलू सहायिका के वीजा आवेदन में गलत तथ्य देने के आरोप लगाए गए थे। भारत ने इस पर सख्त ऐतराज जताया था। कहा तो यह भी जाता है कि तब भारत के कड़े रुख को देखकर अमेरिकी अधिकारी हैरान थे। बाद में अपनी खामियों पर गौर करने के लिए अमेरिकी सुरक्षा मंत्रालय, विदेश और न्याय विभाग आदि ने समीक्षा बैठकें की थीं। भारत वास्तव में कार्रवाई करने के अमेरिकी तरीके को लेकर नाराज था और अमेरिका भी द्विपक्षीय रिश्ते में किसी तरह का तनाव नहीं चाहता था। नतीजतन, देवयानी वापस भारत बुला ली गईं। आज भी दोनों देश शायद ही आपसी रिश्ते में किसी तरह की तनातनी के पक्ष में होंगे।

पन्नू की हरकत किसी से छिपी नहीं है। उसके पास भले ही अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है, लेकिन वह भारत में एक वांछित अपराधी है। वह खालिस्तानी भावना भड़काकर भारत-विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है। अमेरिका इन सबसे अनजान नहीं होगा, लेकिन चूंकि उसकी जमीन पर इसने कोई अपराध नहीं किया है, इसलिए पन्नू अब भी वहां सलाखों से बाहर है। देखा जाए, तो भारत के खिलाफ अलगाववादी सोच रखने वाले ऐसे अपराधी इसी अमेरिकी नीति का फायदा उठाते हैं। वे भारत की बढ़ती साख को पसंद नहीं करते। मगर हमें उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करेंगे। अभी कनाडा ने भी अपने यहां एक खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के हत्या में कथित तौर पर भारत की संलिप्तता का दावा किया है, जिस कारण उसके साथ हमारे रिश्तों में खटास आई है। पन्नू ने भी इस मौत का बदला लने की धमकी दे रखी है। अमेरिका इन सबसे वाकिफ होगा और वह जरूर प्रयास करेगा कि ऐसे मसलों का जल्द निपटारा हो जाए।

वैसे, आदर्श व्यवस्था यही है कि कोई देश किसी भी रूप में आतंकी या असामाजिक तत्वों को अपने यहां जगह न दे। इसके लिए प्रत्यर्पण संधि का इस्तेमाल किया जाता है। भारत ने कई देशों के साथ ऐसे समझौते कर रखे हैं। मगर इस संधि के तहत अपराधी को स्वदेश लाना काफी कठिन प्रक्रिया होती है। इसमें पहले पूरे सुबूत के साथ संबंधित देश के पास आवेदन भेजना होता है, जिसे स्वीकारने या खारिज करने को लेकर वह स्वतंत्र होता है। मगर पन्नू मामले में हमारी मुश्किल यह है कि वह भारत का नहीं, बल्कि अमेरिका और कनाडा का नागरिक है। लिहाजा यह मामला पूरी संवेदनशीलता की मांग करता है। हम तो उम्मीद यही करेंगे कि अमेरिका हमारी सुरक्षा चिंताओं पर गौर करेगा और इस मामले का उचित निपटारा करेगा।

बड़ी भूमिकाओं में मेच्योर हीरोइनें

माधुरी दीक्षित और विद्या बालन की मौजूदगी के चलते फिल्म भूल-भुलैया-3 खूब चर्चा में है। असल में, ये दोनों ही बेहद धाकड़ अभिनेत्रियां हैं। कई फिल्मों में इनकी भाव-प्रवणता ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। ऐसे में, जब ज्यादातर नवोदित तारिकाएं बॉलीवुड में अपना गहरा प्रभाव छोड़ने में विफल रही हैं, एक अलग ट्रैक पर मेच्योर एक्ट्रेस काफी डिमांड में हैं। आमतौर पर, ऐसा हर दौर में ज्यादातर सफल उम्रदराज हीरोइनों के साथ होता रहा है। ताजा विश्लेषण से यह बात और ज्यादा स्पष्ट है।

नए अभिनेता कार्तिक आर्यन को स्टारडम की राह दिखाने में अनीस बज्मी की फिल्म भूल-भुलैया-2 का बड़ा योगदान रहा है। लेकिन उसके बाद से आई उनकी ज्यादातर फिल्मों ने उन्हें इस मामले में हताश ही किया। आज वह बॉक्स ऑफिस के बेहतर खिलाड़ी नहीं माने जा रहे हैं। ऐसे में, फिर अनीस बज्मी ने उनका हाथ थामा है। अनीस की भूल-भुलैया-3 में वह मुख्य नायक का रोल कर रहे हैं। एक बार फिर उन्हें माधुरी और विद्या जैसी दो अच्छी अभिनेत्रियों का सहारा मिला है। उल्लेखनीय है कि उनकी पिछली फिल्म भूल-भुलैया-2 की सफलता में मंजुलिका बनी तब्बू का बड़ा अहम रोल था।

मगर इस बार एक नहीं, दो-दो मंजुलिका का सपोर्ट उन्हें मिलेगा। अनीस बताते हैं, मैंने भूल-भुलैया की पहली मंजुलिका विद्या को फ्लैशबैक में काफी फुटेज दिया। इसके साथ ही मंजुलिका के एक रूप को माधुरी भी प्ले कर रही हैं। और इन दोनों ही रोल में मुझे बेहद परिपक्व हीरोइनों की जरूरत थी।

कुशल अदाकारा तब्बू ने कई फिल्मों में बतौर हीरोइन अपनी छाप छोड़ी है। मगर उनका उज्ज्वल पक्ष है दमदार कैरेक्टर। यही वजह है, अब वयस्क एक्ट्रेस के तौर पर उनकी जोरदार डिमांड है। इसके लिए दृश्यम, भूल-भुलैया-2 का ताजा उदाहरण देना ही काफी होगा।

अब यह दीगर बात है कि इन दिनों वह अंट-शंट फिल्मों में ज्यादा उलझी रहती हैं। बावजूद इसके, उनकी विस्तृत एक्टिंग रेंज के बारे में कोई सवाल नहीं है।

परिपक्व माधुरी दीक्षित एक अतुलनीय उदाहरण के तौर पर सामने आती हैं। रोल का चैलेंज उनके लिए मामूली बात है। डबल धमाल और कलंक जैसी फिल्मों के साधारण रोल भी वह बड़े आराम से कर लेती हैं। लेकिन वह बेहद सेलेक्टिव हो चुकी हैं। अनीस की नई फिल्म में उनका रोल ज्यादा बड़ा नहीं है, पर बकौल माधुरी, यह एक दमदार करेक्टर है। माधुरी इन दिनों अपने नृत्य स्कूल को लेकर काफी व्यस्त हैं। वह बहुत ज्यादा फिल्में नहीं कर रही हैं।

विद्या बालन नायिका प्रधान फिल्में करने के लिए मशहूर हैं। लेकिन शकुंतला देवी के बाद से उनकी छवि खत्म हुई है। मगर कुछ निर्देशक उनकी विस्तृत एक्टिंग रेंज को नहीं भूले हैं। इसके चलते भूल-भुलैया की असली मंजुलिका को पेश करने के लिए अनीस ने सीधे उनसे संपर्क किया। जाहिर है, इससे इस फिल्म का वजन काफी बड़ा है। वैसे, विद्या काफी अच्छे करेक्टर रोल को ही पहले प्राथमिकता दे रही हैं। आनेवाली फिल्म दो और दो प्यार में भी वह करेक्टर रोल कर रही हैं।

नए दौर की तारिकाओं को न तोअच्छे रोल मिल रहे हैं, और न ही वे इसके लिए ज्यादा तत्पर दिखती हैं। सारा अली खान, जाह्नवी कपूर, अनन्या पांडे आदि ने शुरू-शुरू में काफी संभावनाएं जगाई। मगर कई नयी हीरोइन तो आज महज शो पीस बन कर रह गई हैं। इनमें से ज्यादातर ने अपने समकक्ष उदाहरण आलिया भट्ट से भी कोई सबक नहीं लिया।

नए दौर की हीरोइन में कृति सेनन और कियारा आडवाणी एक अच्छा उदाहरण बन सकती थीं, पर कुछ खराब फिल्मों ने उन्हें सिर्फ स्टार ही बनाये रखा। कियारा ने भूल-भुलैया-2 के बाद एकदम तहलका मचा दिया था, लेकिन कुछ खराब फिल्मों के बाद वह इंडोर्समेंट के साए में रहना ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसी तरह से, अभिनेत्री कृति सेनन ओटीटी की फिल्म मिमी के बाद बहुत अच्छी तारिका के तौर पर सामने आई थीं, पर आज अंट-शंट फिल्मों के गलियारे में भटक रही हैं। ज्यादातर नई तारिकाओं के पीछे जाने के ढेरों कारण हैं।

नेशन बिल्डर्स अकादमी की छात्रा अल्पना सिंह बनी न्यायाधीश, पद्मश्री स्वामी भारत भूषण द्वारा स्थापित नेशन बिल्डर्स अकादमी में जश्न का माहौल

अल्पना सिंह जनकनगर निवासी स सोहन सिंह की पौत्री और स जरनैल सिंह एडवोकेट की बेटी है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
(उत्तर प्रदेश) सहारनपुर, हरियाणा लोक सेवा आयोग की सिविल जज जूनियर डिवीजन भर्ती के लिए आयोजित 2023-24 की प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम में सहारनपुर स्थित नेशन बिल्डर्स अकादमी की छात्रा रही अल्पना सिंह ने हरियाणा सिविल सर्विस न्यायिक परीक्षा में सफल होकर बयालीसवीं रैंक हासिल करके ज्यूडिशियल सर्विस में चुने जाने का गौरव प्राप्त कर लिया है। अल्पना सिंह जनकनगर निवासी स सोहन सिंह की पौत्री और स जरनैल सिंह एडवोकेट की बेटी है। अल्पना सिंह की इस सफलता से आज बेरीबाग में पद्मश्री स्वामी भारत भूषण द्वारा 1989 से स्थापित नेशन बिल्डर्स अकादमी में जश्न का माहौल है। अल्पना सिंह ने न्यायिक सेवा प्रतियोगिता में सफल होते ही कहा कि ये नेशन बिल्डर्स अकादमी में हमे गुरु जी द्वारा बचपन से ही मिले आशीर्वाद व आत्मविश्वास पूर्वक कुछ खास कर दिखाने की प्रेरणा और मेरे परिवार के निरंतर सहयोग व प्रोत्साहन की सफलता है। अकादमी की प्राचार्या श्रीमती इष्ट शर्मा ने बताया कि यद्यपि मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को अच्छे संस्कार, शिक्षा और बड़े अवसर देने के लिए संचालित इस अकादमी से निकले बच्चे सेना, पुलिस, बैंक, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, उद्योग जैसे क्षेत्रों में बड़े पद और पहचान पा चुके हैं लेकिन अल्पना सिंह ने न्यायिक सेवा में सफलता पाकर स्कूल के इतिहास में नया इतिहास रचा है, जज बनने वाली वह हमारी पहली छात्रा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एनबीए के अन्य बच्चें भी अल्पना से प्रेरणा लेकर कुछ खास करेंगे। आज नेशन बिल्डर्स अकादमी के बच्चों ने हाथों में अल्पना सिंह के फोटो हाथ में लेकर, जमकर अल्पना दीदी जिंदाबाद और नेशन बिल्डर्स अकादमी जिंदाबाद के साथ ही हम भी दीदी नहीं रुकेंगे, मेहनत करके गगन छुएंगे के नारे लगाए। ईश्वर के प्रति कृतज्ञता से हाथ जोड़े अल्पना सिंह के पिता स जरनैल सिंह, माता परवीन कौर और भाई जसकीरत सिंह की आंखों से छलके। खुशी के आंसू उनकी हालत बयां कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि भाई जसकीरत सिंह जो बहुराष्ट्रीय कंपनी में इंजीनियर है भी नेशन बिल्डर्स अकादमी का ही छात्र रहा है।

सहारनपुर एयरपोर्ट का 20 अक्तूबर रविवार को होगा उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे वर्चुअल उद्घाटन

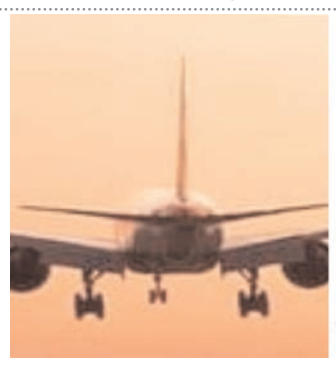

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। सहारनपुर जनपद के सरसावा में नवनिर्मित नागरिक एयरपोर्ट का 20 अक्तूबर दिन रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। सरसावा क्षेत्र में नवनिर्मित सिविल एयरपोर्ट के उद्घाटन की तारीख निश्चित होने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन तैयारी में जुटा है। शासन से जिला प्रशासन को प्राप्त हुए कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्तूबर, रविवार को सिविल एयरपोर्ट का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। बता दें, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र पौराणिक नगरी वाराणसी स्थित सिविल एयरपोर्ट को विस्तारीकरण के पश्चात अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया गया है, जहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आरंभ होंगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्तूबर को इसी का उद्घाटन करने के लिए वाराणसी में होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री कुछ अन्य योजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। जिसमें सरसावा स्थित सिविल एयरपोर्ट का भी उद्घाटन वर्चुअल तरीके से शाम को चार बजे के करीब किया जाएगा। उद्घाटन को वृहद स्वरूप प्रदान करने के लिए सिविल एयरपोर्ट सरसावा के परिसर में पंडाल लगाया जाएगा। जिसमें एक बड़ी एलइडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री द्वारा किए जाने वाले एयरपोर्ट के उद्घाटन का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहेंगे।

जिलाधिकारी ने ढोलीखाल में अवैध रूप से चल रहे क्लीनिक पर लिया एक्शन

क्लीनिक को किया गया सील, झोलाछाप डाक्टर के विरूद्ध की गयी एफआईआर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल को अवैध रूप से क्लीनिक चलाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में मोहल्ला शीराजान, निकट शाकिर परचून वाला, ढोलीखाल, थाना कुतुबशेर में एस0एम0 तैय्यब नामक व्यक्ति बिना पंजीकरण एवं बिना डिग्री के एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा व्यवसाय करना बताया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने शिकायत के दृष्टिगत नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की टीम का गठन किया। जिसमें अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 राकेश चन्द्रा एवं जिला क्षय रोग अधिकारी सर्वेश सिंह शामिल थे। इसके तहत टीम द्वारा 17 अक्टूबर दिन बृहस्पतिवार को औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रैक्टिस करने के साक्ष्य पाए गये जबकि एस0एम0तैय्यब के द्वारा किसी प्रकार का पंजीकरण उपलब्ध नहीं था। यह अवैध रूप से क्लीनिक का संचालन कर रहे थे। इसके पूर्व दिनांक 16 अक्टूबर को टीम औचक निरीक्षण के लिए गई। मौके पर प्रतिष्ठान का शटर बंद मिला तथा बाहर बोर्ड में डॉक्टर एस0एम0 तैय्यब एवं डिग्री डी0फार्मा, बी0फार्मा अंकित थी। इस संदर्भ में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नोटिस निर्गत किया गया तथा समस्त शैक्षिक अभिलेखों को तत्काल 17 अक्टूबर को दिखाने के निर्देश दिए गये। पाया गया कि एस0एम0तैय्यब ने डी0फार्मा एवं बी0फार्मा किया हुआ था। यह डिग्री मेडिकल स्टोर के संचालित के लिए अधिकृत है। टीम द्वारा की गयी जांच में पाया गया कि न केवल अवैध रूप से क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है बल्कि डॉक्टर की उपाधि न होते हुए भी डाक्टर का कार्य किया जा रहा है एवं जन मानस के साथ धोखाधडी, मानव जीवन से खिलवाड करने एवं भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 की धारा 15 का उल्लंघन किया जा रहा था। जिलाधिकारी के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना कुतुबशेर में एफआईआर दर्ज करवाई गयी। जनपद में अवैध क्लीनिक एवं झोलाछाप डाक्टरों द्वारा उपचार करने की निरंतर शिकायतें मिल रही थी। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए थे कि अवैध क्लीनिक एवं झोलाछाप डाक्टरों की जांच करते हुए कार्यवाही की जाए।
जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी तरीके से औचक निरीक्षण कर सीलिंग की कार्यवाही की जाएगी तथा झोलाछाप डाक्टरों के विरूद्ध नियमानुसार एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस पर किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए क्योंकि यह जीवन एवं स्वास्थ्य से जुडा प्रकरण है।

धर्म परिवर्तन के लिये लोगों को प्रलोभन देने वाली महिलाओं पर पुलिस का शिकंजा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, अब धर्मपरिवर्तन कराने के लिए कुछ महिलाओं को आगे कर दिया गया है। इन महिलाओं द्वारा तरह तरह के प्रलोभन दिए जा रहे हैं और धर्म परिवर्तन का दुष्चक्र रचे जा रहे हैं। यद्यपि पुलिस ने इन पर शिकंजा कसा है और घटना की तह तक पहुंचने का जतन कर रही है।घटना विवरण -आवेदक आदर्श त्रिपाठी पिता शोभनाथ त्रिपाठी उम्र 22 वर्ष नि. बैंक कालोनी वार्ड क्र. 08 थाना कोलगवां जिला सतना का रिपोर्ट किया 18 अक्टूबर को करीब 12.30 बजे हनुमान नगर नईबस्ती तरफ मे मुझे तीन महिलाएं मिली जो मुझसे मेरे कष्टों के बारें मे पूंछी तो मैं बताया कि मेरे पिता जी की तबियत खराब रहती है तब वो महिलायें तीन पर्चे दी तथा बोली कि तुम ईसाई धर्म अपना लो और प्रभू ईशू की प्रार्थना में आया करो तुम्हारी सारी दुख तकलीफ दूर हो जायेंगी। हिन्दू धर्म में रहोगे तो तुम्हारे पूरे परिवार का विनाश हो जायेगा प्रभू ईशू तुम्हारे पिता जी की तबियत ठीक कर देंगे और ईसाई धर्म अपनाने के बाद तुम्हारी शादी करवा देंगे।
पर्चे के माध्यम से फंस रहे भोले भाले लोग उक्त महिलायें घूम फिरकर और लोगों को भी ईसाई धर्म अपनाने को बोल रहीं थी तथा लोगों को प्रलोभन देकर पर्चा बांट रही थी। आवेदक ने कहा कि तब मुझे समझ मे आया कि ये लोग झूठ बोलकर धर्म परिवर्तन कराते हैं व लोगों को भी फंसाते है। आवेदक की रिपोर्ट पर थाना कोलगंवा मे धारा 3/5 म.प्र. धार्मिक स्वतंत्रता अधनियम 2021 के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। महिलाओं को भेज दिया गया जेल घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे महेन्द्र सिंह चौहानसीएसपी सतना एवं निरी. सुदीप कुमार सोनी व्दारा टीम गठित कर आरोपी महिलाओं को नईबस्ती सतना से गिरफ्तार कराया जाकर न्यायालय के समक्ष किया गया जहां से आरोपी महिलाओं को जेल भेज दिया गया है।ये हैं आरोपी महिलाएं आरोपी महिलाओं में सोनू साकेत पत्नी संदीप उर्फ मुन्नू साकेत उम्र 25 वर्ष निवासी उमरिहा नौवस्ता रीवा हाल हनुमान नगर नई बस्ती सतना, पार्वती साकेत पत्नी रामनरेश साकेत उम्र 35 वर्ष निवासी ओपेन जेल के पीछे नई बस्ती वार्ड क्रं. 16 सतना, अर्चना साकेत पत्नी रामलकन साकेत उम्र 29 वर्ष निवासी ओपेन जेल के पीछे नई बस्ती सतना हैं। उपरोक्त आरोपीगणों की गिरफ्तारी मे निरीक्षक सुदीप सोनी थाना प्रभारी कोलगवां, उप निरी. अखिलेश्वर प्रसाद तिवारी, उप निरी. मुलाम अहिवार, स.उ.नि. उमेश कुमार पाण्डेय, प्र.आर. 28 सतेन्द्र सिंह, प्र.आर. 818 प्रियंका पटेल, म.आर. 871 प्रियंका चतुर्वेदी की सराहनीय भूमिका रही है।

मैहर विधायक ने प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव एवं केंद्र सरकार का जताया आभार

सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई सृष्टि को दी श्रद्धांजलि

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
मैहर, रूस की धरती पर सड़क दुर्घटना में मृत्यु सृष्टि का शव मैहर पहुचने पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने प्रदेश एवं केंद्र सरकार का आभार ज्ञापित किया एवं विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा बड़े गौरव की बात होती जब सृष्टि विदेश की धरती से डॉक्टर की पढ़ाई पूरी कर के मैहर लौटती लोग खुशी और उत्साह से उसका स्वागत करते उसके माता पिता के साथ पूरा शहर गौरवांतित अपने आप को महसूस करता लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था और अश्मित इस घटना में सृष्टि ने अपना जीवन छोड़ दिया इस दुख की घड़ी में कहने के लिए कोई शब्द नहीं है लेकिन आज इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार को भगवान दुख सहने की शक्ति प्रदान करें और इस दुख की घड़ी में पूरा शहर उनके साथ खड़ा है ! इसके पश्चात मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने प्रदेश के मुख्य डॉक्टर मोहन यादव एवं केंद्र सरकार का धन्यवाद आभार ज्ञापित किया है जिनके प्रयास के साथ ही इतना परिवार के लिए कठिन काम बड़ी सरलता के साथ हो गया और विदेश की धरती पर अपने प्राण की आहुति देने वाली छात्रा अपने घर पहुंच गई !

चित्रकूट में तीन दिवसीय शरदोत्सव का सुगम संगीत के साथ समापन

इंडियन आइडल फेम गायक पवनदीप राजन एवं अरुणिता कांजीलाल की जोड़ी ने अपने गीतों की प्रस्तुति से दर्शकों को किया भाव विभोर

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संस्कृति संचालनालय मध्यप्रदेश एवं जिला प्रशासन सतना व चित्रकूट क्षेत्र की जनता जनार्दन के सहयोग से चित्रकूट में पारम्परिक नृत्य एवं गायिकी केन्द्रित तीन दिवसीय शरदोत्सव की समापन संध्या में मुम्बई के इंडियन आइडल फेम गायक पवनदीप राजन एवं अरुणिता कांजीलाल की जोड़ी ने अपने गीतों की प्रस्तुति से दर्शकों को भाव विभोर किया। उन्होंने अपने अंदाज में गायन का ऐसा जादू चलाया कि लोग गुलाबी ठंड और भींगी भीगी ओस के बीच में देर रात्रि तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे। शरदोत्सव की समापन संध्या का शुभारंभ पूय संत राम जी दास महाराज संतोषी अखाड़ा, पूय संत श्री दीनदयाल जी महाराज निर्मोही अखाड़ा, राजेंद्र शुक्ला उप मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन, श्रीमती कृष्णा गौर राय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, वंचित घुमंतू एवं घुमंतू कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश शासन, श्रीमती महापौर भोपाल, आलोक संजर पूर्व सांसद भोपाल, सुनील पांडे पूर्व उपाध्यक्ष भोपाल विकास प्राधिकरण,चित्रकूट किशोर जी और लता जी के अन्य गीतों पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, रमेश सिंह सामाजिक कार्यकर्ता, मोतीलाल गोयल उद्योगपति एवं सामाजिक कार्यकर्ता, संजय श्रीवास्तव आरटीओ सतना, नरेंद्र गुप्ता सामाजिक कार्यकर्ता, जयदेव ताम्रकार कार्यकर्ता दीनदयाल शोध संस्थान ने दीप प्रवलन कर किया। दीनदयाल परिसर चित्रकूट में आयोजित शरदोत्सव की समापन संध्या को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख का स्मरण करते हुए कहा कि नानाजी के कृतित्व ने भगवान राम की तपोस्थली एवं वन प्रांतर अंचलों में चैतन्यता जगाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि उनकी ऊर्जा और प्रेरणा से उनके बताये मार्ग पर क्षेत्र का उत्थान किया जा सकता है। नाना जी सदैव कहते थे कि संस्कारित विकास एवं अनुशासन ही देश को महान बनाता है। श्रेष्ठ पुरुषों के कृतित्व और व्यक्तित्व से आने वाली पीढ़ी मार्गदर्शन लेकर सही मार्ग पर चलती है। श्रीमती कृष्णा गौर रायमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि विश्व में समाज सेवा के क्षेत्र में दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्य एक अनुकरणीय मॉडल है। नाना जी एक सफल राजनीतिज्ञ भी थे वह योजना निर्माण कर साथ साथ उसके सफल कियान्वयन हेतु सदैव सजग रहते थे। संतोषी अखाड़ा के महंत राम जी दास महाराज ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि चित्रकूट की जागृति, प्रभुता और सम्पन्नता यह सब नानाजी के आने से हुई है। नानाजी सम्पूर्ण राष्ट्र में एक जन जागृति लाते हैं। सेवा का भाव और मानव समाज के लिए समर्पण का भाव से नानाजी ने एक अलग उदाहरण समाज में प्रस्तुत किया है। शरदोत्सव की आखिरी शाम बॉलीवुड स्टार इंडियन आइडल फेम पवनदीप राजन और अरुणिता कांजीलाल के नाम रही। जिन्होंने शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजूबर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ में स्टेज पर अरुणिता पहुंची और उन्होंने ठुमक चलत रामचंद्र भजन से सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया। फिर पल पल से दोनों सिंगर जोड़ी ने शमा बांध दिया। समापन तेरी मिट्टी में मिल जावा गीत की शानदार परफॉरमेंस के साथ हुआ। पचनदीप एवं अरुणिता के गानों का. लोगों ने देर रात तक जमकर लुत्फ उठाया। पवनदीप राजन के गाने को सुनने ठहर जाओ, आने वाला कल, तू जो मिल गया, अगर तुम साथ हो, तेरी दुआ सुन ले जरा, आओ पधारो पिया आदि गीतों से समा बांधा। फिर एक के बाद एक बॉलीवुड गीत ओ रे मनवा और खामोशियां जैसे बेहतरीन गानों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दर्शक भी अरुणिता के साथ ताल से ताल मिला कर गाने लगे। इसके बाद स्टेज पर पवनदीप अपनी परफॉर्मेंस देने पहुंचे। उन्होंने जो तुम ना हो गाने से अपनी प्रस्तुति की शुरुआत की और फिर कबीर सिंह फिल्म का कैसे हुआ गाना जैसे ही स्टेज पर गाना शुरू किया दर्शक दीर्घा में तालियां और सीटियां बजने लगी। ले जाए जाने कहां हवाएं गाने पर सभी श्रोता झूमने लगे। कार्यक्रम में के लिए चित्रकूट, सतना ही नहीं चल्कि आसपास के क्षेत्रों में भारी संख्या में लोग पहुंचे हुए थे। गौर हो कि देर रात तक चले रंगारंग कार्यक्रम में लोग का आनन्द लेने के लिये बहुत बड़ी तादाद में जन सैलाब उपस्थित रहा। फतेहपुर, झांसी, प्रयागराज, बांदा, सतना, पत्रा, छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा आदि जिलों से तमाम लोगों का हुजूम शरदोत्सव देखने के लिये चित्रकूट आया।
प्रसिद्ध गायकों ने शरदोत्सव में छोड़ी अमिट छापराष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के जन्मोत्सव से प्रारम्भ हुए तीन दिनी शरदोत्सव में अब तक देशभर के अनेक ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी-अपनी प्रस्तुतियां देकर शरदोत्सव को अविस्मरणीय बना चुके है। प्रमुख रूप से अब तक प्रसिद्ध गायक अनुराधा पौडवाल, स्वीन्द्र जैन, सुरेश वाडेकर, मनोज तिवारी, पवन तिवारी, विनोद राठौर, कैलाश खैर, नितिन मुकेश, प्रसिद्ध भजन सम्राट अनूप जलोटा एवं नृत्यांगना डोना गांगुली, सुधा चन्दन, डिम्पल डिप्युटी शाह, ग्रेसी सिंह, मोहित चौहान, उदित नारायण की प्रस्तुतियों ने शरदोत्सव को ऐतिहासिक बनाने में अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

नारायणपुर जिले के कलाकारों द्वारा जगदलपुर में ककसड़ नृत्य की दी गई प्रस्तुति

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ
(छत्तीसगढ़) नारायणपुर, 19 अक्टूबर 2024/ बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर बस्तर मड़ाई सरस सांस्कृतिक कार्यक्रम जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित की गई थी जिसमें बस्तर अंचल के विभिन्न जिलों से अलग -अलग तिथि में धुरवा नृत्य, गौर नृत्य, काकसर नृत्य और माटी मांदरी नृत्य आदि अलग अलग मनहोहक प्रस्तुतिया प्रस्तुत की। नारायणपुर जिले के कलेक्टर श्री बिपिन मांझी, मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री वासु जैन, अपर कलेक्टर श्री बीरेंद्र बहादुर पंचभाई एवं श्री बद्रीश सुखदेवे सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के सहयोग एवं मार्गदर्शन से ग्राम नयानार के कलाकारों ने ककसाड़ नृत्य की प्रस्तुति जगदलपुर के लालबाग मैदान में 18 अक्टूबर को अपनी प्रस्तुति दी ककसड़ या ककसार नृत्य छत्तीसगढ के नारायणपुर जिले की मुड़िया और अबूझमाड़िया जनजाति के युवक युवतियों द्वारा किया जाने वाला एक लोक नृत्य हैं। यह नृत्य फसल और वर्षा के देवता ककसाड की पूजा के उपरांत किया जाता हैं। इस नृत्य के साथ संगीत और घुंघरूओ की मधुर ध्वनि से एक रोमांचक वातावरण उत्पन्न होता है। ककसड़ नृत्य मूलतः जतरा नृत्य हैं, इसलिए इसे जतरा नृत्य भी कहते हैं। गांव के धार्मिक स्थल पर मुड़िया और अबूझमाड़िया जनजाति के लोग वर्ष में एक बार ककसड़ जतरा पर पूजा का आयोजन करते हैं। इसमें युवक युवतिया अपनी साज सज्जा करके सम्पूर्ण रात नृत्य गायन करते हैं। पुरूष कमर में घंटी बांधते हैं जबकि युवतियां सिर पर विभिन्न फूलों और मोतियों की मालाएं पहनती हैं। ककसड़ नृत्य एक मुड़िया और अबूझमाड़िया जनजाति का धार्मिक नृत्य हैं जिसे करते समय नर्तक युवा अपने कमर में पीतल या लोहे की घंटियां हिरनाग बांधे रहते हैं, जिससे मधुर ध्वनि उत्पन्न होते रहती हैं, इसके अलावा युवा अपने सिर पर पगड़ी कलगी (जलिंग) और कौड़ीयों से श्रृंगार कर आकर्षक वेशभूषा से लोगों को और भी आकर्षक बनाते हैं। मांदरी की ताल से नृत्य प्रारंभ होती हैं, मांदरी की ताल के साथ युवतियां भी चिटकुल बजाते हुए मांदरी की ताल के साथ संगत मय नृत्य करते हैं। मुड़िया अबूझमाड़िया जनजाति के ककसड़ नृत्य, मांदरी नृत्य, गेड़ी नृत्य अपनी गीतात्मक और भी सुंदर होते जाता हैं। ककसाड़ नृत्य के मुख्य कलाकार जैनू सलाम बताते है की ककसड़ नृत्य की प्रस्तुति देश के विभिन्न राज्यों में अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इन कलाकारों के साथ आदिवासी विकास विभाग के शाखा प्रभारी श्री एस. एस. कांगे भी उपस्थित थे।

अकैडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

डिवीजन स्तर पर शानदार प्रदर्शन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, अकैडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने हाल ही में संपन्न डिवीजन स्तरीय रोल बॉल और रोलर स्केटिंग प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर कई पदक अपने नाम किए। अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर इन विद्यार्थियों ने न केवल विद्यालय का मान बढ़ाया, बल्कि अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं।रोल बॉल प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी-अंडर-17 बालिका वर्ग-उद्रेका सिंह,मिष्टी गुप्ता,आस्था सिंह रही।
अंडर-19 बालक वर्ग में विभुम शुक्ला ने बाजी मारी।रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता की प्रमुख उपलब्धियाँ-अंडर-11 बालिका इनलाइन- पहल मोंगिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।अंडर-11 बालिका क्वाड- अद्या पांडे ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।अंडर-11 बालक इनलाइन- अद्वैत तिवारी ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।अंडर-11 बालक क्वाड- अक्षत पांडे ने रजत पदक जीता, जबकि सरस पांडे ने कांस्य पदक हासिल किया।अंडर-17 बालिका इनलाइन- उद्रेका सिंह ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।अंडर-17 बालिका क्वाड- आस्था सिंह ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं मिष्टी गुप्ता ने कांस्य पदक प्राप्त किया।अंडर-19 बालक क्वाड- विभुम शुक्ला ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।इन शानदार उपलब्धियों पर विद्यालय के चैयरमैन श्री शम्मी पुरी, डाइरेक्टर श्री शश्वत पुरी, प्लैनेजमेंट हेड डॉ. हिमानी सिंह, प्राचार्या श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, तथा उपप्राचार्या श्रीमती सोनिया ओबोरॉय ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत, समर्पण और अद्वितीय खेल भावना की सराहना की है। उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं।
विद्यालय परिवार अपने इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों पर गर्व करता है और उनकी उपलब्धियों पर हर्षित है। स्कूल का मानना है कि ये युवा खिलाड़ी अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपनी सफलता के झंडे गाड़ेंगे। विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ।

करौंदी गांव में पुलिस उप महानिरीक्षक की उपस्थिति में हुआ जन संवाद

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।पुष्पराजग, ढ़पुष्पराजगढ़ जिले में अपराधों की रोकथाम व आसामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ ही ग्रामीण स्तर की मूलभूत समस्याओं से रूबरू होने गौरतलब है कि पुलिस व आम नागरिकों के बीच की दूरी कम करने तथा पुलिस-प्रशासन व आम नागरिकों के बीच बेहतर सम्बंध स्थापित करने के उद्देश्य से विगत दिनों पुष्पराजगढ़ अनुभाग अंतर्गत ग्राम करौंदी में पुलिस महा निरीक्षक अनुराग शर्मा के निर्देशन में पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने की उपस्थिति में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एसडीओपी नवीन तिवारी राजेन्द्रग्राम थाना प्रभारी वीरेन्द्र बरकड़े सहित पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित होकर जन संवाद आयोजित किया गया उक्त कार्यक्रम में करौंदी सहित आसपास के ग्रामीण जन वा ग्राम रक्षा समिति के लोग उपस्थित हुये।

अपराधों से दूर रहकर कानून का पालन करें उक्त जन संवाद को संबोधित करते हुऐ डीआईजी सुश्री सविता सुहाने द्वारा उपस्थित जनों को अपराधों से दूर रहने व कानून का पालन करने की सलाह दी गई किसी भी स्थिति में कानून को अपने हाथ में न लेने, कानून का बखूबी पालन करने तथा गांव में आने वाले बाहरी संदिग्ध व्यक्तियों व उनके गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस व प्रशासन को दिए जाने के लिए जागरूक किया गया तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ लेने ग्रामीणों को समझाईश दी गई। साथ ही ग्रामीणों अन्य कई समस्याओं से रूबरू होकर अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली से दूरभाष पर चर्चा की गई जिस पर कलेक्टर द्वारा सीघ्र ही करौंदी गांव में जन समस्या निवारण शिविर आयेजित करने का आश्वासन दिया गया।

दिनों दिन बढ़ते साइबर अपराध में सतर्क जागरूक रहने की आवश्यकता अतरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी ने बताया की दिनों दिन बढ़ रहे साइबर अपराध, कंप्यूटर, इंटरनेट, या नेटवर्क डिवाइस का इस्तेमाल करके की जाने वाली अवैध गतिविधि से सतर्कता के साथ उपयोग करने की सलाह दी गई साथ ही किसी भी प्रकार के फर्जी काल ओटीपी बगैर जानकारी के कोई भी लिंक को ओपन ना करें और ठगी से बचें। साइबर अपराध ठगी होने पर तत्यकाल साइबर क्राइम टोल फ्री नम्बर 1930 एवं गृह मंत्रालय के साइबर पोर्टल पर जाकर भी लिखित में शिकायत कर सकते है एवं नजदीकी पुलिस थाने में इसकी सूचना अवश्य दे।

ग्रामीणों ने की पुलिस चौकी खोले जाने की मांग पुलिस जन संवाद में उपस्थित ग्रामीण जनो ने उप पुलिस महा निरीक्षक सुश्री सविता सुहाने से मांग की गई की सीघ्र ही करौंदी गांव में पुलिस सहायता केंद्र (चौकी) की स्थापित कराया जाय जिससे छत्तीसगढ़ सीमा से लगे हुये गांवो में हो रहे अपराधों पर नियंत्रण किया जा सके।

बस्तर ओलंपिक 2024 हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर

खिलाड़ी स्वयं ऑनलाइन कर सकते हैं पंजीयन

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ ।(छत्तीसगढ़) नारायणपुर, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने और बस्तर क्षेत्र के जनजातीय युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर श्री बिपिन मांझी ने अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि बस्तर ओलंपिक के बारे में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी पंजीयन करा सकें। बस्तर ओलंपिक हेतु एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें विकासखण्ड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जिला स्तर पर कलेक्टर और संभाग स्तर पर कमिश्नर अध्यक्ष होंगे।

प्रतिभागियों के लिए नियम और पंजीयन की प्रक्रिया बस्तर ओलंपिक में 14 से 17 वर्ष और 17 से अधिक आयु वर्ग के युवक-युवतियों के लिए खेल प्रतियोगिताएं होंगी। माओवादी प्रभावित दिव्यांग और आत्मसमर्पित माओवादी खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रतियोगिताएं संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी, शील्ड और नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। खिलाड़ी 20 अक्टूबर 2024 तक विकासखण्ड कार्यालय, जनपद पंचायत, खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका परिषद या जिला खेल अधिकारी कार्यालय में ऑफलाइन पंजीयन करा सकते हैं। खिलाड़ी https://rymc.cg.gov.in/BastarOlympicsw®wy/district/dashboard लिंक के माध्यम से स्वयं भी पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन प्रक्रिया के लिए प्रतिभागियों को सामान्य जानकारी, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक खाता विवरण और हस्ताक्षर का फोटो अपलोड करना होगा। दलीय खेल विधा के प्रतिभागियों को एक साथ पंजीयन करना अनिवार्य होगा, जबकि एकल खेल विधा के प्रतिभागी अलग से पंजीयन कर सकते हैं।

प्रतियोगिता की तिथियां और खेल विधाएं विकासखण्ड स्तर की प्रतियोगिताएं 1 से 10 नवंबर, जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 10 से 22 नवंबर, और संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 25 से 30 नवंबर के बीच आयोजित की जाएंगी। प्रमुख खेलों में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराटे, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी, हॉकी और वेटलिफ्टिंग शामिल हैं।

लाल बत्ती वाली गाड़ी पर केक काटकर की आतिशबाजी

वायरल वीडियो पर कटनी पुलिस जांच में जुटी

सुनील यादव । सिटी चीफ । कटनी, कटनी जिले के सोशल मीडिया में एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिसमे एक युवक लाल बत्ती की बुलेरो गाड़ी की बोनट पर केक काट जन्म दिन का जश्न बना रहा है वही फटाखों जला आतिशबाजी की गई, वही एक युवक बंदूक से फायर करता हुआ भी दिखाई दे रहा है। इस वीडियों के आधार पर कटनी पुलिस जांच में जुट गई है।

एडिशनल एसपी संतोष डेहरिया ने बताया कि इस वीडियो में जो गाड़ी दिखाई दे रही है वह सरकारी गाड़ी है और उस गाड़ी में लगे नंबर प्लेट के अनुसार कटनी जिले की गाड़ी है, वही सोशल मीडिया में वायरल वीडियो ने साफ देखा जा सकता है कि एक युवक गाड़ी की बोनट पर केक काट रहा है और उसके दोस्तों द्वारा आतिशबाजी की गई वही एक और युवक द्वारा बंदूक से हवाई फायर भी किया और उसके बाद चलती हुई इसी गाड़ी की बोनट पर केक काटने वाला युवक बैठा हुआ दिखाई दे रहा है। इस वीडियो के आधार पर कटनी पुलिस जांच कर रही है कि यह गाड़ी जिला प्रशासन के किस विभाग में लगी हुई थी और यह वीडियो रील बनाने वाला युवक कौन है।

कजंई विद्यालय में स्कूली बच्चों को वितरित कि गई साइकिल

ग्राम सरपंच आनंद बिसेन स्कूल के पालक शिक्षक सवांद कार्यक्रम में हुए शामिल

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कजंई के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 19 अक्टूबर दिन शनिवार को पालक शिक्षक सवांद कार्यक्रम आयोजित किया गया व स्कूली बच्चों को निशुल्क साईकिल का वितरण भी किया गया है।जिसमें ग्राम सरपंच आनंद बिसेन व संस्था प्रमुख तथा पंचायत उपसरपंच सहित अन्य सभी लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया फिर पालक शिक्षक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित पालकों ने अपने अपने सुझाव रखे वहीं ग्राम सरपंच आनंद बिसेन ने सभी उपस्थित पालकों विघालय के संस्था प्रमुख व शिक्षक शिक्षिकाओं तथा स्कूली बच्चों को शुभकामनाएं दि और पालक शिक्षक संवाद कार्यक्रम में अपनी बात विस्तृत रूप से रखी है। वहीं इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों के हस्ते नि:शुल्क सायकल योजना के तहत छात्र छात्राओं को साइकिल वितरण कि गई,वहीं छात्र छात्राएं नि:शुल्क सायकल पाकर खुश नजर आए। वहीं साइकिल प्राप्त करने वाले सभी छात्र छात्राओं को सरपंच ने मिठाई भी खिलाई।

कोतमा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ बिक्री एवं परिवहन करने वाले दो आरोपियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

सुशिल सोनी । सिटी चीफ । अनूपपुर, दिनांक 18. 10.2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सेमरिया तरफ से एक पल्सर मोटरसाइकिल नंबर एमपी 18 जेड बी- 2160 से दो लड़के अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बेचने के लिए कोतमा तरफ आ रहे हैं मौके से हमराह स्टाफ ग्राम पिपरिया के पास रैड कार्रवाई कर पल्सर मोटरसाइकिल में बैठे दो व्यक्तियों को दस्तयाब कर नाम पता पूछने पर अपना नाम तारन दास मेहरा पिता होरिल मेहरा उम्र 32 वर्ष निवासी बुढानपुर एवं कुलदीप कुमार चतुर्वेदी पिता कृष्णकांत चतुर्वेदी उम्र 25 साल निवासी कोतमा वार्ड नंबर 5 पुरानी बस्ती का होना बताएं जिनके पास से तलाशी के दौरान 42 पुड़िया अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर नसरीन नामक महिला निवासी निपानिया शहडोल से खरीद कर लाना बताएं मौके से आरोपियों के पास से 42 पुड़िया कुल वजन 8 ग्राम एवं पल्सर मोटरसाइकिल कुल कीमत 136800/- जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 431/24 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया उक्त करवाई में थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह, उप निरीक्षक अकबर खान, सहायक उप निरीक्षक बृजेश पांडेय ,प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव, दिनेश राठौर ,आरक्षक चक्रधर तिवारी, संजय द्विवेदी, अजय सिंह, चलाक आर. 575 दिनेश किराडे की मुख्य भूमिका रही है.

भोपाल के चेतना रंग समूह की प्रस्तुति के साथ नाट्य समारोह का हुआ समापन

5 दिवसीय नाट्य समारोह का गिरा पर्दा, अंतिम दिवस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा को मिला दर्शकों का भरपूर प्यार

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, नगर के मानस भवन सभागार में संस्कृति मंत्रालय भोपाल के सहयोग से युवा नाट्य मंच दमोह द्वारा आयोजित किए जा रहे 20 वे राष्ट्रीय नाट्य समरोह के चौथे और अंतिम दिन भोपाल के चेतना रंग समूह द्वारा रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा सर्दी की फिर वही रात की प्रस्तुति दी गई। नाटक उम्र के ढलते पड़ाव के प्रेम की अहमियत और अहसास को दर्शकों के सामने रखता है और सच्चे प्रेम की परिणीति को दिखाता है।

नाटक की कहानी एक रेलवे प्लेटफॉर्म पर शुरू होती है जहां अधेड़ अवस्था को प्राप्त कर चुके नाटक के हीरो अभिनय शर्मा को उसकी जवानी के दिनों के का प्रेम रही नाटक की नायिका पूजा कपूर दिखती है। पहचान के साथ शुरू हुई बातचीत में पुराने अहसास फिर ताज़ा होने लगते है और प्रेम एक बार फिर अंकुरित होने लगता है। लेकिन प्यार का इजहार कैसे हो यह दुविधा लगातार बनी रहती है। ऐसे में नाटक में कुछ ऐसा घटता है कि वर्षों पहले अधूरा रहा प्रेम अपनी मंजिल तक पहुंच जाता है। नाटक की बात करें तो नाटक के लेखक व निदेशक आशीष श्रीवास्तव ने अपने लेखन और निर्देशन में बढ़ती उम्र में प्यार के एहसास और उससे जुड़े पहलुओं को बखूबी कलम और अपने निर्देशन से पर्दे पर उतारा है और नाटक को काफी प्रभावी बनाया है। नाटक मुख्य रूप से दो किरदारों के आसपास घूमता है जिसमें अभिनव शर्मा बने राजीव श्रीवास्तव और पूजा कपूर बनी नीति श्रीवास्तव ने नाटक में अपनी अभिनय क्षमता और अनुभव दोनों दिखाई है। दोनों अपने अभिनय में अतिरेक से दूर रहकर अपने संवाद शैली से दर्शकों को बांधे रखते है और चुटिले संवादों से हंसाते भी है। उसके अलावा भांजा बना शिवांश यादव, चायवाला बने विवेक त्रिपाठी, उत्कर्ष खरे, आदमी आशीष ओझा, आदमी-2 शिव कटारिया, विवेक त्रिपाठी,हरयाणवी हवलदार आशीष ओझा, उत्कर्ष खरे सहित पैसेंजर्स की छोटी सी भूमिका में सुनीता अहिरे, महेश, प्रियांशी, दिव्या, आशी, दिव्यांशी आदि है। वहीं नाटक में स्थानीय कलाकारों ने भी संक्षिप्त भूमिका निभाई है। नाटक के अन्य पहलुओं की बात करें तो मंच पर बनाया गया दिनेश नायर का प्लेटफार्म का सेट काफी प्रभावित नजर आता है और प्रकाश परिकल्पना में कमल जैन ने कमाल का काम किया है। संगीत में मनोहर राव और मंच व्यवस्थापक विवेक त्रिपाठी रहे।

समापन में संस्था ने जताया आभार अंतिम दिन की प्रस्तुति के साथ ही चार दिवसीय राष्ट्रीय नाटक समारोह का समापन हुआ। समापन अवसर पर संस्था द्वारा सभी का आभार जताया गया। संस्था अध्यक्ष राजीव अयाची ने कहा की दर्शकों के सहयोग और प्रेम के बिना नाट्य समारोह की कल्पना भी हम नहीं कर सकते और उनके चलते ही हम दमोह जैसे शहर में लगातार राष्ट्रीय नाटक समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक कर पा रहे हैं। संस्था सचिव एडवोकेट अनिल खरे ने उपस्थित लोगों सहित पुलिस प्रशासन व सहयोगियों का धन्यवाद देते हुए यह घोषणा करी कि आगामी कुछ दिनों में ही संस्था अपने 21 में राष्ट्रीय नाटक समारोह के साथ आपके सामने होगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वृहद पथ संचलन

कटनी शहर के 6 स्थानों से हुआ आयोजन

सुनील यादव । सिटी चीफ । कटनी, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने कटनी शहर के 6 अलग-अलग स्थानों से पथ संचलन किया। पथ संचलन शहर के सभी मुख्य मार्गों से होता हुआ साधूराम स्कूल पहुंचा। जहां पर पथ संचालक का समापन किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का शताब्दी वर्ष प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में वृहद पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान शहर के 6 अलग-अलग स्थानों बस स्टैंड स्थित सीक्रेट हाई स्कूल, नई बस्ती स्थित सरस्वती शिशु मंदिर, खिरहनी फाटक क्षेत्र स्थित रेलवे लाल ग्राउंड, गायत्री नगर पुलिया, मुड़वारा रेलवे स्टेशन और हाउसिंग बोर्ड ग्राउंड माधवनगर से पथ संचालन निकाला गया। पथ संचलन में काफी संख्या में राष्ट्रीय स्वंयसेवक शामिल हुए। पथ संचलन शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए साधूराम स्कूल पहुंचा। वही जगह जगह पुष्प वर्षा भी की है। पथ संचालन के दौरान पूरे शहर में काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। इस दौरान भाजपा जनों ने सुभाष चौक मे फूल वर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया ।

शाजापुर में महर्षि वाल्मीकि जयंती का मनाया उत्सव

संत बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज का भव्य स्वागत, 5 क्विंटल फूलों की वर्षा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, प्रदेश में मन रहे महर्षि वाल्मीकि प्रकटत्सव पखवाड़े के अंतर्गत कल शाजापुर में सभी समाज के लोगों द्वारा बस स्टैंड पर महर्षि वाल्मीकि जी जयति बड़ी उत्साह से मनाई गई जिसमें राष्ट्रीय संत परम पूज्य गुरुदेव बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज प्रमुख रूप से शामिल हुए कार्यक्रम में गुरुदेव ने अपने भाषण में हिन्दू धर्म के सभी समाज के लिए सामाजिक समरसता का संदेश दिया और महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन पर प्रकाश डाला कार्यक्रम में गुरुदेव से मिलने ओर उनका स्वागत करने के लिए भारी भीड़ देखने को मिली संत शिरोमणि का राज्य सभा सदस्य बनने के बाद यह पहला बड़ा कार्यक्रम शाजापुर जिला मुख्यालय पर आयोजित हुआ है कार्यक्रम में गुरुदेव पर 5 किवंटल फूलों की वर्षा की गई कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नवीन पारछे प्रदीप सिंह दिखीत नगर पालिका उपाध्यक्ष पंडित संतोष जोशी वरिष्ठ एडवोकेट नारायण प्रसाद पांडे पार्षद प्रेम यादव राजेश पारछे नेमिचंद जी पटेल संतोष जी घारवे दिनेश जी चावरे आसाराम जी कल्याण संजय गिरजे जितेन्द्र टांक आदि वाल्मीकि समाज के लोग ओर राजपूत समाज ब्राह्मण समाज आदि समाज के सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे.

दमोह में हुआ कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा कृषि विज्ञान केंद्र का आयोजन

एनपीके, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और डीएपी के अन्य विकल्पों पर कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा कृषि विज्ञान केन्द्र में संपन्न दी गई अहम् जानकारियां

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देश पर आज कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा कृषि विज्ञान केंद्र दमोह में आयोजित की गई। यह कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा एनपीके, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और डीएपी के अन्य विकल्पों पर विस्तृत जानकारी, फसलों के पोषण और उर्वरकों के सही उपयोग से जुड़ी शंकाओं का समाधान पर आधारित रही। परिचर्चा में उप संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा इस समय डीएपी कम मात्रा में उपलब्ध है, इसके स्थान पर सिंगल सुपर फॉस्फेट, एन पी के, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी लगभग वही काम करता है, जैसे एक बोरी यूरिया करता हैं, उसी तरह से एक बॉटल नैनो वही काम करती है। सहायक संचालक कृषि जे.एल. प्रजापति ने कहा परंपरागत डीएपी के स्थान पर नैनो डीएपी के और अच्छे विकल्पों का उपयोग किसान भाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा इन विकल्पों से पर्यावरण प्रदुषण रोकने, स्वास्थ्य, मृदा की उर्वरकता मे वृद्धि होती हैं। जिला विपणन अधिकारी इंद्रपाल सिंह राजपूत ने कहा डीएपी के विकल्प के रूप में शासन ने कई चीजे उपलब्ध कराई हैं। किसान भाई नैनो डीएपी, एनपीके सहित अन्य विकल्पो का उपयोग अवश्य करें, जिससे आपकी फसल, पैसे आदि की बचत अच्छे से हो सके।

आरसी पटैल ने कहा आज कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा हुई है, जिसमें इफको के प्रदेश मैनेजर सम्मिलित हुए। उन्होंने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं खाद्य के सभी विकल्पों के सुझाव दिए हैं और उनके बारे में बहुत उपयोगी जानकारी किसानों के लिए प्रसारित की है। उन्होंने बताया कि डीएपी की आज जो किल्लत पड़ रही है, उसके बदले में हम कई विकल्प का उपयोग कर सकते हैं जो किसानों के लिए नुकसानदायक नहीं होंगे और उससे किसानों की फसलों में काफी अच्छा इजाफा होगा।

हरिशचंद्र पटेल ने कहा आज किसानों और कृषि वैज्ञानिकों की परिचर्चा से संबंधित एक कार्यशाला आयोजित हुई है, उसमें सभी किसान भाई और किसान संगठनों के जनप्रतिनिधि और कृषि विज्ञान और इफको के अधिकारी शामिल हुये। उन्होंने कहा जो इफको का नेनो डीएपी और नेनो खाद है, यह पिछले सीज़न में भी बहुत सारे किसानों से संपर्क कर बताया था, जिनने इसका उपयोग किया उन्हें बहुत अच्छे रिजल्ट मिले। अभी भी हम लोग सभी किसानो को प्रेरित कर रहे है कि नेनो डीएपी और नेनो यूरिया का उपयोग फसलों में करें, क्योंकि इससे उत्पादन भी बढ़ता है, बीज उपचार भी होता है और सबसे अच्छा फायदा यह है कि कीटनाशक दवाई के साथ मिलाकर इसका उपयोग किया जा सकता है, जिससे दो काम अलग से नहीं करने पड़ेगे। दोनों काम डीएपी और कीटनाशक एक साथ हम फसल में डालेंगे, जिससे हमारा श्रम भी बचेगा और फसलों में जो कीटाणु लगते हैं वह भी मारे जाएंगे, तो यही एक सरल पद्धति है, जो इफको द्वारा जारी की गई है। इसलिये नानो डीएपी और नानो यूरिया का सभी किसान भाई उपयोग करें।

तहसील पथरिया के ग्राम तरावली निवासी किसान टीका राम पटेल किसानो से आग्रह करते हुये कहा कि इफको कंपनी के प्रोडक्ट और नैनो डीएपी और नेनो यूरिया का उपयोग करें। उन्होंने कहा यदि आप समय पर काम करते हैं, तो आपको शत-प्रतिशत फायदा मिलेगा।

तहसील पथरिया के ग्राम मिर्जापुर निवासी प्रगतिशील किसान एवं कृषि छात्र कुलदीप पटेल ने कहा आज कृषि विज्ञान केंद्र में इफको के द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें इफको के प्रॉडक्ट के बारे में जानकारी दी गई। डीएपी और यूरिया को लेकर काफी ज्यादा किसानों के बीच में परेशानियां आ रही है। ये मिल नहीं पा रहे है, तो उसके विकल्प के तौर पर हम जो नैनो डीएपी और नैनो यूरिया आ रहा है, इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा मैं इसका रेगुलर इस्तेमाल कर रहा हूँ और आने वाले समय में इसको लगभग 70 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक खेत में इसका इस्तेमाल करूंगा, ये काफी अच्छे प्रॉडक्ट हैं तो इसका इस्तेमाल कीजिये।

अर्बन बैंक के नव निर्वाचित डारेक्टर व एसईसीआर मजदूर कांग्रेस केन्द्रीय पदाधिकारी ने संभाला पदभार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, अर्बन बैंक के नव निर्वाचित डारेक्टर व साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर जोन के केन्द्रीय पदाधिकारी आर.के.यादव ने गुरुवार 17 अक्टूबर को विशाल जुलूस के साथ अपना पदभार बिलासपुर स्थिति अर्बन बैंक कार्यालय में ग्रहण किया। इस अवसर पर रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर जोन के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण,बिलासपुर मंडल समन्वयक बी.कृष्ण कुमार,नागपुर मंडल समन्वयक इंदल दमाहे,जोनल संयुक्त महामंत्री विजय अग्निहोत्री, डेलीगेट गोपी राव,डी.डी.महेश,लक्ष्मण विश्वकर्मा,राजेश सोनकर,आलोक तिवारी,शाहिद अहमद,टी लॉरेंस आदि उपस्थित रहे। रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने बताया की विगत 28 सितंबर 2024 को गार्डन रीच कलकत्ता में 691 डेलीगेट के द्वारा 18 बोर्ड आफ डारेक्टर का चुनाव हुआ। 18 में से 16 डारेक्टर जीत कर रेलवे मजदूर कांग्रेस एवं एलआरसा के नेतृत्व में संयुक्त गठबंधन ने 50 सालों से अर्बन बैंक में काबिज लाल झंडे के सरकार को पछाड़ कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। नवनिर्वाचित अर्बन बैंक बिलासपुर के डायरेक्टर ने पदभार ग्रहण संकल्प बयान जारी कर कहा की नवनिर्वाचित बोर्ड आफ डारेक्टर द्वारा बैंक को आधुनिकीकरण कर कंप्यूटरीकृत खाता बही आन लाइन सुविधा दी जाएगी।वर्षों से काबिज लोगों द्वारा किए भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।अर्बन बैंक से रेल कर्मचारियों लोन बढ़ाकर ब्याज दर कम किया जाएगा।सभी रेल शेयर धारकों को कंप्युटराइज बैंक पासबुक जारी किया जाएगा।

करवा चौथ को लेकर महिलाओं ने खरीदे करवे और परिधान

पति की दीर्घायु के लिए आज रखेंगी व्रत

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर। सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए आज रविवार को करवा चौथ का व्रत रखकर चंद्रमा को जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना करेंगी। सुहागिनों के इस खास पर्व के एक दिन पूर्व शनिवार को बाजार में महिलाओं की भारी भीड़ खरीदी के लिए उमड़ पड़ी। करवा चौथ के लिए महिलाओं ने करवों के साथ ही सोलह श्रंगार के सामान की भी जमकर खरीदी की। करवा चौथ के व्रत के लिए महिलाओं ने विशेषकर आकर्षक कुंदन और मोती से जड़े परिधानों की खरीदी की। साथ ही रंग-बिरंगी कांच की चूड़ियां, मेंहदी, काजल, बिंदिया की भी खूब ग्राहकी हुई। उल्लेखनीय है कि आज करवा चौथ का व्रत है। मान्यतानुसार इस व्रत के करने से पति की आयु दीर्घायु होती है और उस पर आने वाले सभी संकट टल जाते हैं। इसी परंपरा और विश्वास के चलते महिलाएं निर्जला रहकर व्रत करेंगी और रात को छलनी में दीपक रखकर चांद के साथ अपने पति की पूजा करेंगी।

जमकर हुई करवों की खरीदी

गौरतलब है कि करवा चौथ की पूजा में मिट्टी से बने करवों का विशेष महत्व है, जिसके चलते करवों की खरीदी को लेकर शनिवार को बाजार गुलजार रहे। हालांकि बाजार में रौनक तो दशहरे के बाद से ही बनी हुई है, लेकिन करवा चौथ को लेकर महिलाओं की भीड़ दुकानों पर अधिक दिखाई दी। महिलाओं ने रंग-बिरंगी साडियां और लहंगों की खरीदी की। सबसे ज्यादा महिलाओं की भीड़ चूड़ी दुकान और कपड़ों की दुकान पर दिखाई दी। इसीके साथ छलनी और करवे भी महिलाओं के द्वारा जमकर खरीदे गए जिसके चलते सुबह से लेकर शाम तक बाजार में चहल-पहल बनी रही। महूपुरा नदी पर करवों की पारंपरारिक दुकानें लगाई गईं, जहां से शहरी क्षेत्र की महिलाओं के साथ ही ग्रामीण अंचलों की महिलाओं ने भी श्रंगार सामग्री की खरीदी की।

पुलिस द्वारा बकरी खरीददार बनकर 5 माह तक गांव में डाला डेरा

5 आरोपी गिरफ्तार, 4 लाख का तार जब्त

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, शहडोल जिले के खैरहा थाने के पुलिसकर्मी के द्वारा चोरों को पकड़ने के लिए बकरी खरीददार बनकर लगभग एक महीने तक उनके गांव में घूमती रहे। पुलिस ने गांव के बच्चों से दोस्ती की और उनसे बकरी खरीदने का नाटक कर चोरों तक पहुंची। इसके बाद सबूत जुटाकर बिजली केबल चोरी करने वाले बदमाशों का पर्दाफाश करते हुए पांच चोरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से 11 हजार केभी की लगभग 4 लाख रुपए की तार बरामद हुई है। बिजली के तार की चोरी करने वाले शातिर चोर दीपक कुमार चक्रवैस, नीरज बैगा, संजू बैगा, गुरु प्रसाद बैगा, अनिल बैगा को धर दबोचा। आरोपियों के पास से 11 हजार केवी की लगभग 4 लाख रुपए की तार जब्त कर कार्रवाई की है।

पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि इससे पहले उन्होंने थाना सिंहपुर, बुढ़ार, धनपुरी, अमलाई, केशवाही जैसे कई थाना क्षेत्र के इलाकों में केबल काटकर चोरी की थी। इसके साथ ही उमरिया जिले के थाना पाली में घुनघुटी, मुंदरिया में नई रेलवे लाइन की तार को अपने साथियों के साथ मिलकर तार काटकर चोरी किया था। इस मामले मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पता पुलिस तलाश कर रही है। जिसमें कहीं ना कहीं शहडोल संभाग के सबसे बड़े कबाड़ी बुढार निवासी बडे जैन तथा उसके गुर्गे आरिफ का नाम सामने आ सकता है इसके पहले भी कोतमा तथा चचाई थाने में पकड़े गए कबाड़ के मामले में बडे जैन के नाम से मुकदमा कायम है जिसको लेकर दोनों थानों की पुलिस तलाश कर रही है ।अगर सही तरीके से पुलिस अपना काम करेगी तो इस बड़े पैमाने में बडे जैन के कबाड़ के मामलों को जल्द से जल्द पर्दा फास्ट कर सकती है ।भोपाल से लेकर शहडोल तथा अनूपपुर जिले में बडे जैन का नाम कबाड़ के मामले में बरकरार है ।जिसको छुपाया नहीं जा सकता है ।।

बिजूरी में ट्रैफिक पुलिस द्वारा स्कूली वाहन चालकों की गई आकस्मिक चेकिंग

7 स्कूलों के 20 वाहन चालकों को किया गया चेक, एक चालक शराब के नशे में पाया गया

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, आज दिनांक 19/10/24 को ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिजुरी शहर मे स्थित प्राइवेट स्कूल के स्कूली वाहन चालकों को चेक करने हेतु अभियान चलाया गया। जिसमें सनराइज पब्लिक स्कूल, सेंट जोसेफ मिशन स्कूल, जय मां शारदा हाई स्कूल, नव ज्योति मिशन स्कूल, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजुरी, दिल्ली वार्ड पब्लिक स्कूल (महेंद्रगढ़), सहित कुल 07 स्कूल के 20 स्कूली वाहन चालकों को ब्रइथ एनालाइजर से चेक किया।

सेंट जोसेफ स्कूल का बस चालक शराब के नशे में पाया गया सेंट जोसेफ स्कूल के वाहन क्रमांक (बस) का चालक शराब के नशे में पाया गया। जिसके विरुद्ध द्व1 एक्ट की धारा 185 के तहत कार्यवाही करते हुए बस को जप्त कर बिजुरी थाना में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया गया अगले कार्य दिवस में चालान माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगाद्य वाहन चालकों को दी गई समझाइश आकस्मिक चेकिंग के दौरान वाहन चालकों को सुरक्षित वाहन चलाने के संबंध में समझाएं देते हुए बताया गया कि वाहन हमेशा निर्धारित गति में चलाएं, नशे की हालत में वाहन ना चलाएं, ओवरटेक करने से बचे ,यदि आवश्यक की हो तो हमेशा दाहिने तरफ से ओवरटेक करें, ब्रेकिंग डिस्टेंस का ध्यान रखें, बच्चों को वाहन से उतारते समय सावधानी रखते हुए वाहन को रोड के बाएं साइड खड़ा करे उसके बाद उन्हें उतरने दे।क्षमता से अधिक बच्चे ना बिठाये, बच्चों के अभिभावक बहुत विश्वास के साथ आपकी गाड़ी में उन्हें स्कूल भेजते हैं ।कृपया सावधानीपूर्वक गाड़ी चलाते हुए उन्हें घर से स्कूल और स्कूल से घर तक पहुंचाए। सावधानी से ही सुरक्षा है वाहन चालकों को बताया गया कि सावधानी और सतर्कता से सड़क दुर्घटना को घटित होने से रोका जा सकता है । चेकिंग में सउनि. आनंद तिवारी, प्रआर. रामधनी तिवारी, आर महेश गुर्जर एवं आरक्षक दिलीप सिंह बिजुरी थाने से सहायक उप निरीक्षक विपिन बिहारी राय उपस्थित रहे। शराब के नशे में वाहन चलाना सड़क दुर्घटना का मुख्य कारण है इससे बचे स्वयं की एवं अन्य व्यक्तियों के जीवन को संकट में ना डालें।
यातायात पुलिस **अनूपपुर**

राजनगर ओपन कास्ट माइन में बड़ा हादसा

एस ई सी एल में सुरक्षा नियम के पालन न करने के कारण उजड़ गई मां की कोख, एकलौते बेटे की टूटी सांसे

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनूपपुर। एसइसीएल उपक्षेत्र के हसदेव अंतर्गत राजनगर ओसीएम में कॉलरी प्रबंधकों की लापरवाही में शुक्रवार को एक मां की कोख उजड़ गई, घर का एकलौता कमाने वाला बेटा और निजी कंपनी में ठेका मजदूरी करने वाला अजय कोल निवासी वार्ड क्रमांक 1 विशेषन दफाई राजनगर की मौत हो गई। बताया जाता है कि यह दुर्घटना राजनगर ओसीएम में दोपहर 12 बजे के आसपास घटी, जब यहां मिट्टी हटाकर एसइसीएल कंपनी के लिए कोयला मुहैया कराने वाली मां कुदरगढ़ी प्रायवेट लिमिटेड कपंनी जिसके मालिक अमित सिंगला हैं के द्वारा कोयला उत्खनन के लिए ब्लास्ट किया जा रहा था। इस दौरान मजदूर वहीं रहा, जहां ब्लास्ट के दौरान वह उसकी चपेट में आ गया और उसकी अस्पताल पहुंचने से पूर्व मौत हो गई। घटना के बाद आनन फानन में कंपनी व कॉलरी के कर्मचारियों ने ठेका मजदूर अजय कोल को एसइसीएल अस्पताल राजनगर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मां कुदरगढ़ी के कर्मचारी शव को अस्पताल में छोडकर मौके से भाग निकले। घटना की सूचना परिजनों व ग्रामीणों को मिलने पर परिजन व ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। जहां कॉलरी कर्मचारियों का घंटो इंतजार करने व नहीं आने पर ग्रामीणों व परिजनों ने शव को राजनगर ओसीएम खदान भेज दिया, जिसके बाद कॉलरी के गेट पर पहुंचकर शांतिपूर्वक घटना के विरोध में प्रदर्शन करते हुए मुआवजे सहित शव की मांग कर रहे हैं, आशंका है इससे सडक़ जाम होगी, लेकिन घटना के बाद पुलिस बल व्यवस्थाओं को बनाने में जुट गया है।

सुरक्षा की अनदेखी, ब्लास्ट के दौरान कहां थे सुरक्षा अधिकारी

जानकारी के अनुसार जिस समय खदान के भीतर ब्लास्ट होता है, उस दौरान खदान के भीतर किसी भी कर्मचारी या मजदूर को नहीं रखा जाता है। यहीं नहीं ब्लास्ट के लिए निर्धारित समय से पूर्व सायरन बजाकर आसपास के क्षेत्र को खाली कराया जाता है, यहां तक सुरक्षा में तैनात अधिकारियों द्वारा जांच पड़ताल की जाती है, बावजूद यह घटना कॉलरी के सुरक्षा व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मजदूरों का कहना है कि यहां कंपनी द्वारा कोयला उत्खनन में सुरक्षा को ही दरकिनार कर दिया है, जिसके कारण आए दिन खदानों के भीतर ठेका मजदूरों की जान आफत में बनी रहती है।

हर घटना के बाद कॉलरी बाहर की घटना को बताने में दिखाता है तत्परता राजनगर ओसीएम खदान के भीतर अब तक कई घटनाएं घट चुकी है, लेकिन यहां कॉलरी प्रबंधकों द्वारा एक तरीका अपनाया गया है, सुरक्षा मानकों में हुई चूक से बचने यहां के अधिकारी हर घटना के बाद घायल या मृतक को एम्बुलेंस के माध्यम से बिना परिजनों को सूचित किए मनेन्द्रगढ़ या आसपास के अस्पताल भेज देते हैं, जहां मृत होने पर पुनः एम्बुलेंस के माध्यम से छुपाते हुए कॉलरी लाकर उसे बाहर किसी हादसे का शिकार बनाकर परिजनों को मुआवजे के झांसे में लेकर अपनी गलतियों पर पर्दा डाल जाते हैं। यहां परिजन भी मोटी राशि को देखकर शव लेकर चले जाते हैं। लेकिन यहां घटनाओं के बाद भी कॉलरी प्रबंधक सबक नहीं सिखते।

तो ठेकेदार और कपंनी देगी 1.50 लाख की सहायता, मिलेगी बीमा और अन्य सहायता मजदूर की मौत के बाद मामले में एसडीएम अजीत तिर्की ने बताया कि मृतक के परिजनों को तत्काल 1 लाख रुपए ठेकेदार एवं 50 हजार रुपए प्रबंधन के द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं 15 लाख रुपए एक हफ्ते के अंदर उपलब्ध कराई जाएगी। जबकि 16 लाख की राशि बीमा के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। परिजनों को समझाईश दी गई है, वहीं पुलिस ने मार्ग कम कर जांच शुरू किया है।

इनका कहना है

मजदूर की मौत के मामले में जांच के निर्देश दिए गए हैं। वहीं मृतक के परिजन को तत्काल 1 लाख 50 हज एवं 15 लाख की राशि 1 सप्ताह के अंदर वही बीमा की राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी । वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच करेगी ।
अजीत तिर्की
एसडीएम कोतमा

नवंबर माह के अंत तक हर घर नल से जल का शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करें

हरदा

सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री नरहरि ने मीटिंग में अधिकारियों को दिए निर्देश

मध्य प्रदेश सरकार के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री पी. नरहरि ने शनिवार को हरदा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि नवंबर माह के अंत तक हर हाल में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल का लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त करें। बैठक में संभाग आयुक्त नर्मदापुरम संभाग श्री के. जी. तिवारी, कलेक्टर श्री आदित्य सिंह, प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री के के सोनगरिया तथा मुख्य अभियंता श्री आर के हिरोडिया के अलावा जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी मौजूद थे।सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री नरहरि ने बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि युद्ध स्तर पर कार्य कर जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना से हर परिवार के घर में शुद्ध जल पहुंचाने का कार्य पूर्ण किया जाए । उन्होंने कहा कि इस योजना में धनराशि की कोई कमी नहीं है। सचिव श्री नरहरि ने जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती झानिया को जल जीवन मिशन की प्रगति की प्रतिदिन मॉनिटरिंग नियमित रूप से करने के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत मध्य प्रदेश के बुरहानपुर एवं निवाड़ी दो जिले के शत प्रतिशत परिवार नल से जल प्राप्त कर रहे हैं। इस क्रम में अब तक की प्रगति के आधार पर हरदा जिला प्रदेश का तीसरा जिला संभावित है। बैठक में बताया गया कि हरदा जिले के कुल 458 ग्रामों में लगभग 229 करोड रुपए की पेयजल योजनाएं संचालित हैं। जल जीवन मिशन के तहत हरदा जिले के 97564 परिवारों में से 82195 परिवारों के घर में नल से जल हेतु कनेक्शन दिया जा चुका है। यह कुल लक्ष्य का 84.25 प्रतिशत है। अब शेष परिवारो को अगले 40 दिनों में कवर किया जाना है

गाजा में मौत बनकर बरस रहा इजराइल

ताजा हवाई हमलों में 54 लोगों की मौत...

इण्टरनेशनल डेस्क। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष लगातार चल रहा है। इजराइल द्वारा गाजा में किए गए ताजा हमलों 54 लोगों की मौत हो गई। फिलीस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि इजराइल के ताजा हमले में तीन बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गयी, जबकि कुछ घंटे पहले किए गए एक अन्य हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए थे। दीर अल-बलाह स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल ने बताया कि इजराइल ने शनिवार सुबह मध्य गाजा में मघाजी शरणार्थी शिविर पर हमला किया, जिसमें मारे गए सभी लोग एक ही परिवार के थे। हमले के बाद इसी अस्पताल में शवों को लाया गया था।

इससे पहले शुक्रवार रात इजराइल की वायुसेना ने गाजा के उत्तरी क्षेत्र, खासकर जबालिया में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए जिन में कम से कम 33 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए। गाजा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बस्सल ने बताया कि मारे गए लोगों में से अधिकतर शरणार्थी शिविर में रह रहे थे।गाजा के अल-अवदा अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले ताल अल-जातर शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में 22 लोगों की मौत हुई थी और करीब 70 लोग घायल हुए थे। इन हमलों ने पहले से ही संघर्ष की मार झेल रहे इस क्षेत्र में तबाही मचा दी है। इजराइल के सैन्य प्रवक्ता से जब इन हमलों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वे इसकी जांच कर रहे हैं। इजराइल ने 6 अक्टूबर को गाजा के उत्तरी हिस्से, विशेष रूप से जबालिया में एक नया सैन्य अभियान शुरू किया था। इजराइल का दावा है कि हमास के लड़ाके इस क्षेत्र में फिर से संगठित हो रहे थे, जिन पर ये हमले किए गए। तब से अब तक इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत

पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एजेंसी के अनुसार, वहां के परिवार भारी बमबारी और नृशंस परिस्थितियों में अपना जीवन बचाने की कोशिश कर रहे हैं। हालात दिन-ब-दिन और भी खराब हो रहे हैं।

हमास नेता याह्या सिनवार की मौत की पुष्टि और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया

इस बीच, हमास ने अपने नेता याह्या सिनवार की इजराइली हमले में मौत की पुष्टि की है। सिनवार की मौत को संघर्ष में एक बड़ा मोड़ माना जा रहा है। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया है कि इजराइल से बंधक बनाए गए लोगों को तब तक रिहा नहीं किया जाएगा जब तक गाजा में संघर्ष विराम और हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी ने उत्तरी गाजा में नागरिकों की बेहद खराब स्थिति इजराइली सैनिकों की वापसी नहीं होती।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और अन्य वैश्विक नेताओं ने कहा है कि याह्या सिनवार की मौत को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, ताकि रुकी हुई संघर्ष विराम वार्ता को फिर से शुरू किया जा सके। लेकिन हमास के नेता खलील अल-हैया ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी नहीं होती, तब तक बंधकों को रिहा नहीं किया जाएगा।

संघर्ष समाप्ति की कोई उम्मीद नहीं

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि जब तक सभी बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, इजराइली सेना हमास के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगी। दूसरी ओर, हमास भी पीछे हटने को तैयार नहीं है, जिससे यह साफ है कि इस संघर्ष के जल्द समाप्त होने की संभावना कम है।

खतरे की घंटी !

चीनी राष्ट्रपति शी ने मिसाइल फोर्स का किया निरीक्षण, सैनिकों से किया खास आह्वान

बीजिंग: चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सेना के सामरिक मिसाइल फोर्स की एक ब्रिगेड का निरीक्षण किया है, जिसमें भ्रष्टाचार को लेकर हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर अधिकारियों की छंटनी की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ये कदम खतरे की घंटी माना जा रहा है । सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी ने बृहस्पतिवार को हेफेई में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के रॉकेट फोर्स का दौरा किया, जो परमाणु हथियारों सहित मिसाइलों का संचालन करने वाली सेना की एक प्रमुख इकाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने सामरिक मिसाइल सैनिकों से अपनी प्रतिरोधक क्षमता और लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने तथा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और जनता द्वारा सौंपे गए कार्यों को दृढ़ता से पूरा करने का आग्रह किया।

रॉकेट फोर्स को 2015 में शी द्वारा सैन्य पुनर्गठन के तहत स्थापित किया गया था। यह सेना में चलाए जा रहे भ्रष्टाचार रोधी अभियान के केंद्र में रही है। सत्तारूढ़ सीपीसी का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति पद पर आसीन शी (71) चीनी सेना के समग्र उच्च कमान, केंद्रीय सैन्य आयोग के भी प्रमुख हैं। लंबी और छोटी दूरी की मिसाइलों का संचालन करने वाली रॉकेट फोर्स का उनका दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल के वर्षों में इस प्रमुख सैन्य इकाई में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाया गया है। पूर्व रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू सहित इसके कई अधिकारियों को कथित भ्रष्टाचार के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। जनरल ली शांगफू, रक्षा मंत्री के रूप में पदोन्नत किये जाने से पहले रॉकेट फोर्स के प्रमुख थे। उन्हें बाद में बर्खास्त कर दिया गया था।

उनके उत्तराधिकारी जनरल ली युचाओ, जिन्होंने 2022 में इसके कमांडर की भूमिका संभाली, को भी भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद पद से हटा दिया गया था। इस साल जुलाई में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने रॉकेट फोर्स के प्रमुख जनरल सन जिनमिंग के खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी जांच की घोषणा की थी। पिछले साल से पीएलए की रॉकेट फोर्स के कम से कम सात पूर्व या सेवारत वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भ्रष्टाचार रोधी जांच का सामना करना पड़ा है। पूर्व रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगही, जिन्होंने रॉकेट फोर्स की स्थापना से लेकर 2017 तक इसका नेतृत्व किया और बाद में 2018 से 2023 तक देश के रक्षा मंत्री के रूप में सेवा दी, को भी हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

पति से झगड़े का बदला

महिला ने बच्चों को 23वीं मंजिल की खिड़की से बाहर एयर कंडीशनर पर बिठाया

बीजिंग: चीन के हेनान प्रांत के लुओयांग शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक महिला ने पति से झगड़े के बाद अपने दो छोटे बच्चों को 23वीं मंजिल के अपार्टमेंट की खिड़की से बाहर एयर कंडीशनर यूनिट पर बिठा दिया। घटना 10 अक्तूबर को हुई और इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों ने जब बच्चों के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनी, तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद तुरंत फायर डिपार्टमेंट की टीम को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जब इस खतरनाक स्थिति की खबर फैली, तो लोग अपने अपार्टमेंट से बाहर आ गए और कुछ लोगों ने घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। वीडियो में देखा गया कि एक छोटी बच्ची रोते हुए दिखाई दी, जबकि उसका छोटा भाई एसी पर चुपचाप बैठा हुआ था। इस दौरान महिला अपने पति को बच्चों के पास जाने से रोक रही थी, जिससे स्थिति और भी खतरनाक हो गई थी। बच्चों ने किसी भी प्रकार का सुरक्षा गियर नहीं पहन रखा था, जिससे उनकी जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा था। दमकल विभाग के अधिकारियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया और बच्चों को सुरक्षित तरीके से अपार्टमेंट के अंदर खींच लिया। इस बीच, पड़ोसियों में इस घटना को लेकर गहरा सदमा था, क्योंकि बच्चों की जान खतरे में डालना बेहद चिंताजनक था।

घटना के बाद, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय महिला एवं बाल कल्याण संघ के अधिकारी भी जांच में शामिल हो गए हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि महिला को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा या नहीं, लेकिन इस मामले ने सोशल मीडिया पर बड़ी बहस छेड़ दी है। इस घटना का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, इसे अब तक 55 मिलियन से अधिक लोगों ने देखा। लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, एक मां को अपने बच्चों की सुरक्षा करनी चाहिए, लेकिन उसने जानबूझकर उन्हें खतरे में डाल दिया। ऐसी महिला मां बनने के लायक नहीं है। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, अगर बच्चों को कुछ हो जाता, तो सबसे ज्यादा पछतावा उसी महिला को होता। एक अन्य व्यक्ति ने सख्त कदम उठाने की सलाह देते हुए कहा, उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो।

टूडो का भारत से पंगा कनाडा की अर्थव्यवस्था पड़ेगा भारी !

600 कनाडाई कंपनियों पर लटकी तलवार

इण्टरनेशनल डेस्क। भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद का असर अब आर्थिक मोर्चे पर भी असर डालने लगा है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से शुरू हुए इस विवाद के चलते उन कनाडाई कंपनियों और फंड्स की चिंताएं बढ़ गई हैं, जिन्होंने भारतीय कंपनियों में भारी निवेश किया है। खासकर कनाडाई पेंशन फंड ने भारत के बैंकिंग से लेकर टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में बड़ा इन्वेस्टमेंट किया हुआ है। जानकारी के अनुसार भारत और कनाडा के बीच करीब 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर का वार्षिक व्यापार होता है (वित्त वर्ष 2023-24), जिसमें ज्वेलरी, फार्मास्युटिकल्स, केमिकल्स, पेपर और मिनरल्स जैसी वस्तुओं का लेन-देन शामिल है। इस विवाद से 600 से अधिक कनाडाई कंपनियां जो भारत में व्यापार कर रही हैं, और 30+ भारतीय कंपनियां जो कनाडा में मौजूद हैं, सीधे प्रभावित हो सकती हैं। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार में शामिल कई कंपनियां भी इस तनाव का शिकार हो सकती हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार 8.3 अरब डॉलर का था, जो 2023-24 में बढ़कर 8.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें भारत का कनाडा से आयात 4.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि निर्यात 3.8 अरब डॉलर पर आ गया है।

कनाडाई पेंशन फंड का भारत में निवेश

कनाडाई पेंशन फंड *CPPIB* ने भारत की कई बड़ी कंपनियों में निवेश कर रखा है। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक (6141.6 करोड़ रुपये), जोमैटो (2778.1 करोड़ रुपये) जैसे बड़े नाम शामिल हैं। जोमैटो में *CPPIB* की हिस्सेदारी करीब 1.15% है। इसके अलावा Delhivery, FSN E-Commerce Ventures, और *Paytm* जैसी कंपनियों में भी भारी निवेश किया गया है। कनाडाई पेंशन फंड्स ने भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर, रिन्यूएबल एनर्जी, आईटी और फाइनेंशियल सर्विसेज जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़ी पूंजी लगाई है। रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज में भी फंड का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। 2013 से 2023 तक, कनाडाई फंड्स ने भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में लगभग 3.8 अरब कैनेडियन डॉलर और फाइनेंशियल सर्विसेज में 3 अरब कैनेडियन डॉलर का निवेश किया। इसी प्रकार, इंडस्ट्रियल ट्रांसपोर्टेशन में 2.6 अरब कैनेडियन डॉलर का निवेश किया गया है।

कंपनियों पर क्या होगा असर?

कनाडाई फंड्स फिलहाल भारत में करीब 1.98 लाख करोड़ रुपए के मूल्य की घरेलू इक्विटी के मालिक हैं।

हालांकि, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में आई खटास के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि कनाडाई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में कोई बड़ा बदलाव करेंगे या नहीं। बीते एक साल में, *CPPIB* ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी कुछ हद तक कम की है, लेकिन अब तक वे भारत से पूरी तरह से बाहर निकलने की जल्दी में नहीं दिख रहे।

3 लोगों की मौत, 8 घायल

मिसिसिपी के स्कूल में फुटबॉल मैच के बाद गोलीबारी

लेक्सिंगटन: मध्य मिसिसिपी में शनिवार को तड़के कम से कम दो लोगों ने सैकड़ों लोगों के एक समूह पर गोलीबारी कर दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये लोग खेल समाप्त होने के कई घंटे बाद स्कूल की घरेलू फुटबॉल जीत का जश्न मना रहे थे। होम्स काउंटी के शेरिफ विली मार्च ने बताया कि गोलीबारी की घटना समारोह में मौजूद कुछ लोगों के बीच झगड़े के बाद हुई। उन्होंने बताया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि झगड़े की शुरुआत कैसे हुई। शेरिफ ने फोन पर बताया कि लगभग 200 से 300 लोग जश्न मना रहे थे और गोलीबारी की आवाज सुनकर भागने लगे। दो मृतकों की उम्र 19 वर्ष थी और तीसरे की उम्र 25 वर्ष थी। घायलों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया।

कनाडा में अब भारतीय के साथ नस्लीय बदसलूकी, वृद्धा ने कहा- तुम काले हो...सब वापस जाओ

इण्टरनेशनल डेस्क। कनाडा और भारत के बीच संबंध तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं, और इस तनाव के बीच एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक भारतीय नागरिक, अश्विन अन्नामलाई, को कनाडा में नस्लीय भेदभाव का सामना करते हुए देखा जा रहा है। अन्नामलाई, जो पिछले छह साल से कनाडा में रह रहे हैं और हाल ही में नागरिकता प्राप्त की है, ने बताया कि जब वह वाटरलू, ओंटारियो में टहल रहे थे, तो एक बुजुर्ग महिला ने उन्हें नस्लवादी टिप्पणी की।

वीडियो में अन्नामलाई महिला को समझाते हैं कि वे भी एक कनाडाई हैं, लेकिन महिला इस बात से असहमत होती हैं। महिला अन्नामलाई के स्किन कलर पर टिप्पणी करते हुए कहती हैं, तुम कनाडाई नहीं हो। यहां बहुत सारे भारतीय हैं, और मैं चाहती हूं कि तुम वापस जाओ। तुम्हारे माता-पिता और दादा-दादी यहां के नहीं हैं। जब अन्नामलाई ने महिला से पूछा कि क्या वह फ्रेंच बोल सकती है (कनाडा की दूसरी आधिकारिक भाषा), तो महिला ने इसका जवाब नहीं दिया और केवल यह कहा, वापस जाओ। वापस भारत जाओ।

अन्नामलाई ने अपने पोस्ट में कहा कि यह घटना अकेली नहीं है। इस साल के शुरू से ही ऐसी घृणित घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के व्यवहार को पूरे कनाडा पर नहीं थोपना चाहिए और लोगों को एकजुट होकर समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए। भारत-कनाडा संबंधों में गिरावट के बाद से, कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अक्सर नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ रहा है। अन्नामलाई ने कहा कि उन्हें कभी भी ऐसी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा जो आज के अंतर्राष्ट्रीय छात्र झेल रहे हैं, और यह कनाडा अब वैसा नहीं रहा जैसा वे आए थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569